स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

MCL

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916 2016
जन्म शताब्दी वर्ष

ମହାନଦୀ କୋଲ୍‌ଫିଲ୍ଡ୍ସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)
A Mini Ratna Company

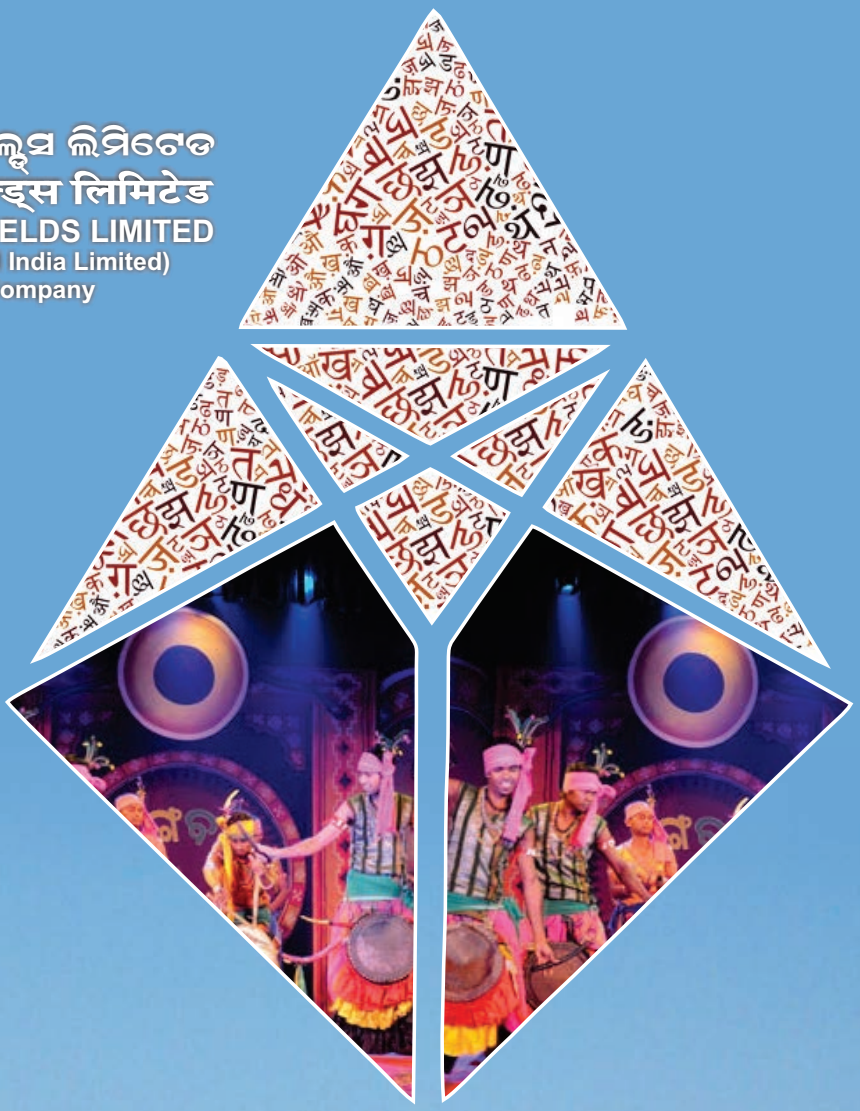

एम.सी.एल. में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ

2016-17

पंचम अंक

'बेस्ट मिनीरत्न' पीएसयू पुरस्कार

डुन एण्ड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में श्री नीरज कुमार, आईएएस, सचिव, निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार से **"बेस्ट मिनी रत्न" पीएसयू, 2017** पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री ए.के.झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

महामहिम राष्ट्रपति महोदय से जगन्नाथ कोलियरी को प्रतिष्ठित "राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार"

एमसीएल, जगन्नाथ क्षेत्र के जगन्नाथ कोलियरी को भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सौजन्य से महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा **"राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार,"** प्रदान किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए एमसीएल के प्रतिनिधि गण ।

स्कॉच ब्लू इकॉनामी पुरस्कार-2016

एमसीएल की सीएसआर पहल और सरफेस माइनर के जरिये पर्यावरण अनुकूल खनन की पहल करने के लिए एमसीएल को स्कॉच ब्लू इकॉनामी पुरस्कार से नवाजा गया ।

MCL

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

अनिल कुमार झा
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक
Anil Kumar Jha
Chairman-cum-Managing Director
Ph: +91 (663) 254 2855 | Fax : +91(663) 254 2366
E-mail : cmd.mcl.cil@coalindia.in

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि **"एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** का पांचवां अंक प्रकाशित हो रहा है। पत्रिका के माध्यम से एमसीएल में हो रही राजभाषा गतिविधियों, भारत सरकार की राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम आदि से हम रू-ब-रू होंगे। भाषा किसी भी राष्ट्र के संस्कृति की वाहिका होती है। हिंदी भारत की राजभाषा एवं सशक्त संपर्क भाषा है, जो किसी न किसी रूप में देश के सभी अंचलों के जन-जन में रची-बसी है। इतना ही नहीं यह भारतीय संस्कृति की न सिर्फ वाहिका है, बल्कि संस्कृति की धरोहर भी है। इससे हम किसी प्रकार अलग नहीं रह सकते।

यह पत्रिका हमारे प्रयासो का दर्पण है इससे हमें और ज्यादा कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने एवं अपनी कमियों को दूर करने का अवसर प्राप्त होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(अनिल कुमार झा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

जसविन्दर पाल सिंह
निदेशक (तकनीकी/संचालन)
Jaswinder Pal Singh
Director Technical (OP)

ମହାନଦୀ କୋଲ୍‌ଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राजभाषा विभाग द्वारा **"राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** के पंचम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में राजभाषा नीतियों के अनुपालन एवं कार्यान्वयन से जुड़ी सभी जानकारियों/उपलब्धियों को समेकित कर इसे पत्रिका के रूप में प्रकाशित करना नि:संदेह राजभाषा विभाग का सराहनीय प्रयास है। राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रों का सहयोग भी प्रशंसनीय है।

आज विभिन्न आधुनिक तकनीकी के माध्यम से हिन्दी में कार्य करना बहुत सरल और सुगम हो गया है। हमारी कंपनी तकनीकी क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है । तकनीकी के बढ़ते प्रयोग को राजभाषा कार्यान्वयन में भी प्रयुक्त करना होगा। इसके लिए हमें नई-नई प्रोद्योगकी से युक्त साधनों का अधिकतम प्रयोग करना होगा। इसके लिए थोड़ी सी जानकारी और इच्छाशक्ति बढ़ाने की आवश्यकता है

आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन एवं सम्पादन के लिए बधाई।

11/9/2017
(जे.पी. सिंह)
निदेशक (तकनीकी/संचालन)

MCL

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

लीला नन्द मिश्रा
निदेशक (कार्मिक)

संदेश

एमसीएल में **"राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** के पंचम अंक के प्रकाशन पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

एमसीएल में हम राजभाषा हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति, प्रचार-प्रसार तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति के पूर्णतया अनुपालन के लिए कटिबद्ध हैं। राष्ट्र को विकसित श्रेणी में लाने के लिए सर्वप्रथम उसे अपनी राजभाषा का विकास करना होता है।

हिन्दी में कार्य करने के लिए कर्मचारियों की रुचि बढ़ाने तथा एक अच्छा वातावरण बनाने में इस प्रकार की पत्रिका अहम भूमिका निभाएगी, ऐसा मुझे विश्वास है। शुरुआत छोटे-छोटे वाक्यों/शब्दों से करनी होगी। यदि हम पूरे मनोयोग से कार्य करेंगे तो धीरे-धीरे हमारे कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी अपना स्थान सुगमता से बनाती जाएगी।

प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने देश, अपनी भाषा, अपनी संस्कृति, अपनी मातृभाषा एवं मातृभूमि के उत्थान में अपने सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करें।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए इससे जुड़े सभी कार्मिकों को मेरी हार्दिक बधाई।

(लीला नन्द मिश्रा)
निदेशक(कार्मिक), एम.सी.एल.

मुनव्वर खुर्शीद भा.रे.सु.ब.
मुख्य सतर्कता अधिकारी

ମହାନଦୀ କୋଲ୍‌ଫିଲ୍ଡ୍ସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि एमसीएल के राजभाषा विभाग द्वारा **"राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** का पंचम अंक प्रकाशित किया जा रहा है, जो राजभाषा से जुड़ी सभी गतिविधियों का संकलन है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिन्दी विश्व की विशाल जनसंख्या द्वारा व्यवहार में लाई जानेवाली भाषा बन गई है। हिन्दी का सामर्थ्य सिर्फ बातचीत तक ही नहीं बल्कि ज्ञान-विज्ञान एवं साहित्य की रचनाएँ भी इसी भाषा में प्रकाशित होने लगी हैं। इसमें तकनीकी शब्दावली का विशाल भंडार है। हिन्दी की स्वीकार्यता इसमें निहित लचीलापन, संप्रेषणीयता एवं सृजनशीलता ही इसकी विशेषता है, इन्ही गुणों के कारण हिन्दी राजभाषा के पद पर प्रतिष्ठित होने में सफल हुई है। कार्यालयीन कार्यों में इसके अधिक से अधिक प्रयोग से ही अपने सम्मान अभिव्यक्ति में सक्षम होगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ ।

मुनव्वर 11/9/17

(मुनव्वर खुर्शीद)
मुख्य सतर्कता अधिकारी

MCL

ମହାନଦୀ କୋଲଫିଲ୍ଡସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

ओम प्रकाश सिंह
निदेशक(तकनीकी/योजना एवं परियोजना)

संदेश

राजभाषा विभाग द्वारा **"राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** पत्रिका के अब तक नियमित रूप से चार अंक प्रकाशित हो चुके हैं और अब पांचवे अंक का प्रकाशन हर्ष का विषय है। हिन्दी जन-जन की भाषा है और इसे विश्व की भाषा बनाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए।

राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन और इसके सतत प्रचार-प्रसार में यह पत्रिका अहम भूमिका निभाएगी, ऐसा विश्वास है। इस पत्रिका का उद्देश्य ही अधिकारियों/कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति रुचि बढ़ाना है और उन्हें हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस प्रकार के सार्थक प्रयासों से कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति सजगता बढ़ेगी और वे अपना दैनिक कार्यालयीन कामकाज हिन्दी में सरलता से कर सकेंगे।

मैं पत्रिका के संपादन से जुड़े सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

ओम प्रकाश सिंह

(ओम प्रकाश सिंह)
निदेशक(तकनीकी/योजना एवं परियोजना)

बी.सी.त्रिपाठी
महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मा.सं.वि.)

ମହାନଦୀ କୋଲ୍‌ଫିଲ୍ଡ୍ସ ଲିମିଟେଡ
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
MAHANADI COALFIELDS LIMITED
(A Subsidiary of Coal India Limited)

संदेश

पत्रिका **"एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ"** का पाचवाँ अंक नये कलेवर और साज-सज्जा के साथ आपको सौंपते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। हम सभी जानते हैं कि राजभाषा हिन्दी एक सहज, सरल, और मधुर संपर्क भाषा है। यह भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक एकता की कड़ी तो है ही इसके साथ ही भूमंडलीकरण हेतु एकता की कड़ी होने का सामर्थ्य भी इसमें है।

भारत में भाषायी विविधता है। हिन्दी ही विविधताओं को संजोए रखने हेतु एकमात्र माध्यम है। एमसीएल भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्णत: अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यालय एवं क्षेत्रों में राजभाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियां पत्रिका में प्रतिबिम्बित हैं। हम अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करें ताकि हमारी कंपनी जिस प्रकार अन्य गतिविधियों में अग्रणी है उसी प्रकार राजभाषा के क्षेत्र में भी अग्रणी हो सके।

पत्रिका के संबंध में आपकी प्रतिक्रिया पाकर मैं अनुगृहित होऊँगा ताकि आगामी अंक को हम और अधिक परिष्कृत कर सके ।

बी.सी.त्रिपाठी
15.09.2017

(बी.सी.त्रिपाठी)
महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मा.सं.वि.)

वर्ष 2016-17 में एमसीएल की राजभाषा गतिविधियों की एक झलक:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें -

कार्पोरेट स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन क्रमश: दिनांक 24.05.2016, 28.07.2016, 27.10.2016 एवं 31.01.2017 को किया गया है। बैठक में लिए गए निर्णय की समीक्षा अगली बैठक में की जाती हैं। इसी प्रकार एमसीएल के सभी क्षेत्रों में भी क्षेत्रों के लिए जारी वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

राजभाषा कार्यशाला -

वर्ष 2016-17 में एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों में कुल 09 राजभाषा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को भारत सरकार के राजभाषा नीति, नियमों और विनियमों से परिचय कराया गया तथा उन्हें हिन्दी में टिप्पणी और मसौदा तैयार करने का अभ्यास भी कराया गया । इस 09 कार्यक्रमों में कुल 459 अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर का संचालन -

सम्बलपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों आदि में से एमसीएल एक बड़ा सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा एमसीएल को नराकास, संबलपुर के संचालन की जिम्मेवारी सौंपी गई है । वर्तमान में सदस्य कार्यालयों की संघ्या-46 है । वर्ष 2016 में क्रमश: 23.06.2016 एवं 29.11.2016 को बैठकें आयोजित की गई जिनमें संबलपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के 46 कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं उनके प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए।

सभी सदस्य कार्यालयों में राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए प्रोत्साहन स्वरुप वर्ष 2015 एवं 2016 में नराकास, संबलपुर द्वारा "राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता " आयोजित की गई, जिसमें दोनों वर्षों में बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन के लिए एमसीएल ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया ये पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों से एमसीएल को प्रदान किया गया।

इसके अलावा सभी सदस्य कार्लयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की गतिशीलता को बढ़ाने के लिए अंतर कार्यालयीन राजभाषा प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है।

भाषा प्रशिक्षण -

कैलेण्डर वर्ष 2016 के दौरान मई, 2016 सत्र तथा नवम्बर, 2016 सत्र में 107 कुल 192 कार्मिक हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए। यह उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण कार्मिकों को कोल इंडिया लिमिटेड के

नियमानुसार प्राप्तांक के आधार पर एकमुश्त नगद पुरस्कार दिया जाता है। इसके अलावा प्राज्ञ/अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कार्मियों को जुलाई 2009 से 01 वर्ष के लिए 01 वेतनवृद्धि के बराबर की राशि एकमुश्त प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाती है।

कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण/यूनिकोड प्रशिक्षण -

एमसीएल मुख्यालय में गत 20 से 25 जून, 2016 को कम्प्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिंदी टंकण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 44 कार्मिक प्रशिक्षित हुए। इसी प्रकार दिनांक 20 से 25 फरवरी, 2017 तक हिंदी यूनिकोड कम्प्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें 43 अधिकारियों/कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हिंदी दिवस/राजभाषा पखवाडा का आयोजन -

दिनांक 14.09.2016 को अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय की अध्यक्षता में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया एवं 14 से 28 सितम्बर, 2016 तक राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इसी प्रकार दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2016 तक क्षेत्रों में भी राजभाषा पखवाडा मनाया गया। इस दौरान हिंदी निबंध लेखन, वाद-विवाद, टिप्पण-आलेखन एवं कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त गृहणियों के लिये प्रश्न मंच प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दिनांक 28.09.2016 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन एवं गजल का आयोजन -

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन के अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से विभिन्न अवसरों पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। जिसमें देश के कोने-कोने से जाने-माने कविगण भाग लेते है। दिनांक 28.09.2016 को राजभाषा पखबाड़ा के समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन एवं दिनांक 30.10.2016 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर की गजल का आयोजन किया गया।

विश्व हिंदी दिवस -

10 जनवरी, 2017 को एमसीएल मुख्यालय में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी के विद्वान वक्ताओं को आमंत्रित किया गया एवं उन्हें सम्मानित किया गया।

हिंदी पुस्तकों की खरीदी -

एमसीएल मुख्याल में हिंदी, ओड़िया एवं अंग्रेजी पुस्तकों की एक पुस्तकालय संचालित है। वर्ष 2016-17 के दौरान पुस्तकों की खरीदी पर कुल व्ययित राशि रू 1,05,000.00 में से रू 59,584.00 का हिंदी एवं ओड़िया किताबों की खरीदी की गई, जो राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य (50%) से अधिक (58%) है।

राजभाषा पोर्टल -

वर्ष 2016 से राजभाषा पोर्टल की शुरुआत की गई है, जिसमें सभी प्रकार की राजभाषा गतिविधियाँ का विवरण सविस्तार उपलब्ध किया गया है ।

राजभाषा कार्यान्वयन में यूनिकोड का उपयोग -

कंपनी में कार्यरत कुल 1493 कंप्यूटरों में हिंदी यूनिकोड सक्रिय है। कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारीगण इन कंप्यूटरों पर सहजतापूर्वक हिंदी में कार्य करते हैं।

एमसीएल राजभाषा पुरस्कार योजना -

एमसीएल में राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए क्षेत्रों एवं विभागों के लिए राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार योजना शुरु की गई है, जिसमें वर्ष 2015-16 हेतु क्षेत्रों/ईकाईयों/विभागों के लिए कुल 09 पुरस्कार का चयन किया गया, जिसे दिनांक 10 जनवरी, 2017 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के कर-कमलों से पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

राजभाषा पत्रिका -

राजभाषा विभाग के विभिन्न गतिविधियों की एक हिंदी पत्रिका "एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ" के चतुर्थ अंक का विमोचन 28 सितम्बर, 2016 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन समारोह-सह-पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय के कर-कमलों द्वारा किया गया।

इसी प्रकार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की हिंदी गृह पत्रिका "संबलप्रभा" के चतुर्थ अंक का विमोचन दिनांक 23.06.2016 की नराकास की बैठक में अध्यक्ष महोदय एवं श्री अजय मलिक, उप निदेशक (कार्यान्वयन) पूर्व क्षेत्र कोलकाता के कर-कमलों द्वारा किया गया ।

राजभाषाई निरीक्षण -

राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिये वर्ष 2016-17 में कुल 10 क्षेत्रों एवं मुख्यालय के 12 विभागों का राजभाषाई निरीक्षण किया गया.

राजभाषा पुरस्कार एवं सम्मान -

राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर द्वारा आयोजित नराकास राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता में एमसीएल को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया।

वर्ष 2016-17 के दौरान एमसीएल को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों द्वारा राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिये सम्मान स्वरूप पुरस्कार एवं शील्ड प्रदान किया गया जो निम्नवत है:

1. राजभाषा एवं प्रबंधन संस्था, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान -

दिनांक 17 से 19 मई 2016, तक कन्याकुमारी में आयोजित 30 वां हिंदी सम्मेलन में एमसीएल को उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया।

2. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केंद्र, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान -

दिनांक 26 से 28 मई 2016, तक ऊटी में आयोजित 23 वें अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर में राजभाषा के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य निष्पादन के लिए एमसीएल को "राजभाषा मुकुटमणि पुरस्कार" से नवाजा गया।

3. विश्व हिंदी कार्यान्वयन परिषद परिवर्तन जन कल्याण समिति नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान -

दिनांक 26 से 28 मई 2016, तक कोवलम बीच त्रिवेन्द्रम केरल में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में "ग" क्षेत्र में हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए एमसीएल को राजभाषा विशिष्ट सम्मान शील्ड से नवाजा गया।

4. राजभाषा सेवा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त सम्मान -

मुन्नार में दिनांक 01 से 03 जून 2016 तक आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं चिंतन शिविर में राजभाषा अनुपालन प्रतियोगिता में एमसीएल को प्रथम पुरस्कार एवं श्रेष्ठ हिंदी पत्रिका प्रतियोगिता में नराकास, संबलपुर की गृह पत्रिका संबलप्रभा को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया।

5. राजभाषा विकास संस्थान देहरादून द्वारा प्रदत्त सम्मान -

उज्जैन में दिनांक 09 से 11 नवंबर, 2016 तक आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी में एमसीएल में राजभाषा हिंदी के बेहतर कार्यान्वयन हेतु एमसीएल को "**राजभाषा श्री सम्मान**" से नवाजा गया।

भारत माता के माथे की बिंदी
हमारी राजभाषा हिंदी

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए राजभाषा कार्यक्रमों का
वार्षिक कैलेण्डर, 2017-18

क्र.सं.	क्षेत्र का नाम	कार्यशाला	तिमाही बैठक (तिमाही वार)	राजभाषा पखववाड़ा
1.	तालचेर	मई, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में सितम्बर, 2017 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जाना प्रस्तावित है।
2.	जगन्नाथ	जुलाई, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
3.	भरतपुर	अक्टूबर, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
4.	हिंगुला	फरवरी, 2018	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
5.	केंद्रीय कर्मशाला, तालचेर	मार्च, 2018	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
6.	लिंगराज	दिसम्बर, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
7.	ईब वैली	अप्रैल, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
8.	ओरियेंट	जून, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
9.	बसुन्धरा	अगस्त, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
10.	लखनपुर	नवंबर, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
11.	केंद्रीय कर्मशाला, ईबवैली	जनवरी, 2018	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
12.	कनिहा	दिसम्बर, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
13.	एनएससीएच, तालचेर	मई, 2017	माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	
14.	एमसीएल कार्यालय, भुवनेश्वर		माह- अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी	

क्षेत्रीय कार्यालय अपने पूरे कोयलांचल (ईब/तालचेर) के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन करेंगे जिसमें कोयलांचल स्थित अन्य क्षेत्रों से प्रतिभागियों को बुलाएंगे।

तिमाही की समाप्ति के बाद 5 तारीख तक तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग, मुख्यालय को अनिवार्य रूप से भेजेंगे।

एमसीएल मुख्यालय के लिए राजभाषा कार्यक्रमों का

वार्षिक कैलेण्डर, 2017-18

महीनों के नाम	कार्यक्रमों के नाम
अप्रैल, 2017	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना एवं तिमाही बैठक
मई, 2017	राजभाषा कार्यशाला - 27.05.2017, एमसीएल एवं अनुषंगी कंपनियों के लेखा के वार्षिक रिपोर्ट का अनुवाद
जून, 2017	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक एमसीएल एवं अनुषंगी कंपनियों के लेखा के वार्षिक रिपोर्ट का अनुवाद
जुलाई, 2017	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना एवं तिमाही बैठक
अगस्त, 2017	कार्यशाला
सितम्बर, 2017	राजभाषा पखवाड़ा/हिंदी दिवस का आयोजन/सांस्कृतिक कार्यक्रम 14.09.2017 से 28.09.2017 तक
अक्टूबर, 2017	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना एवं तिमाही बैठक
नवंबर, 2017	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठक/भाषा प्रशिक्षण की परीक्षा एवं कार्यशाला
दिसम्बर, 2017	टंकण प्रशिक्षण छः दिन - 04.12.2017 से 09.12.2017 तक
जनवरी, 2018	तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजना/ विश्व हिंदी दिवस/राजभाषा सेमिनार - 10.01.2018 तिमाही बैठक
फरवरी, 2018	अनुवाद प्रशिक्षण - 12.02.2018 से 16.02.2018 तक
मार्च, 2018	नामित राजभाषा अधिकारियों की बैठक एवं वार्षिक कार्यक्रम - 2018-19 पर चर्चा।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3)

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कुल 14 कागजात :

- इसके अंतर्गत आनेवाले निम्नलिखित कागजातों को द्विभाषी रूप में जारी करना वैधानिक रूप से आवश्यक ही नहीं बल्कि अनिवार्य है, ये निम्न प्रकार हैं :-
- संकल्प,सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन तथा प्रेस विज्ञप्तियॉं ।
- Resolutions, General Orders, Rules, Notifications, Administrative and other reports and Press communiqués.
- संविदाएं, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा पत्र, निविदा–सूचनाएं तथा निविदा प्रारूप,संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे जानेवाले प्रशासनिक तथा अन्य प्रतिवेदन और राजकीय कागजात ।
- Contracts, Agreements, Licenses, Permits, Tender Notices and Tender Forms, Administrative and other Reports and Official Documents to be laid down before a House or Houses of Parliament.

कोल इंडिया या एमसीएल से संबंधित धारा 3(3) के सिर्फ निम्न 07 कागजात जिन्हें द्विभाषी करना है

- सामान्य आदेश - General Orders,
- प्रेस विज्ञप्तियां - Press Communiqués
- निविदा सूचनाएं तथा निविदा प्रारूप - Tender Notices &Tender Forms .
- करार - Agreements.
- संविदाएं - Contracts.
- प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट - Administrative and other Reports
- कोयला विक्रय आदेश - Coal Sale Orders

सामान्य आदेश/ General Orders

राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) के अनुसार सामन्य आदेश में निम्नलिखित सम्मिलित हैं-:

- ऐसे सभी आदेश,निर्णय या अनुदेश जो विभागीय प्रयोग के लिए और जो स्थायी प्रकार के हों।
- ऐसे सभी आदेश,अनुदेश,पत्र,ज्ञापन,नोटिस आदि जो सरकारी कर्मचारियों के समूह अथवा समूहों के संबंध में हों या उनके लिए हों ।
- ऐसे सभी परिपत्र जो विभागीय प्रयोग के लिए हों या सरकारी कर्मचारियों के लिए हों ।

राजभाषा नियम -1976

- केंद्रीय सरकार ने प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुल 12 नियम बनाए हैं जो तमिलनाडु के सिवाय संपूर्ण भारत पर लागू हैं। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दृष्टि से भारत के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वर्गीकृत किया गया है-:
- क-क्षेत्र : बिहार, झारखंड ,हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल,दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र ।
- ख-क्षेत्र : गुजरात,महाराष्ट्र, पंजाब तथा चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र
- ग-क्षेत्र : उपर्युक्त क - क्षेत्र एवं ख - क्षेत्र में न शामिल किए गए शेष सभी राज्य /संघ राज्य क्षेत्र ग -क्षेत्र में आते हैं । अत: ओड़िशा स्थित महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड भी शामिल है ।

राजभाषा नियम 1976 के प्रमुख नियम

- नियम-5 : इसके अंतर्गत किसी भी कार्यालय या व्यक्ति से प्राप्त होनेवाले हिंदी पत्रों का जवाब हिंदी में देना अनिवार्य है।
- नियम-6 : धारा 3(3) के अंतर्गत आनेवाले समस्त दस्तावेज हिंदी एवं अंग्रेजी में जारी करना अनिवार्य है।
- नियम-7 : कोई आवेदन,अभ्यावेदन या अपील अंग्रेजी में बनाया गया हो एवं उस पर हिंदी में हस्ताक्षर किए गए हों तो उसका उत्तर हिंदी में दिया जाएगा। यदि कोई कर्मचारी यह चाहता है कि सेवा संबंधी विषयों)यथा -अनुशासनिक कार्यवाहियाँ(से संबंधित कोई आदेश या सूचना,जिसका कर्मचारी पर तामिल किया जाना अपेक्षित है, हिंदी या अंग्रेजी में होना चाहिए, तो वह उसे अबिलम्ब उसी भाषा में दी जाएगी।
- कोई कर्मचारी किसी फाइल पर टिप्पणी या मसौदा हिंदी या अंग्रेजी में लिख सकता है। उससे दूसरी भाषा में अनुवाद की अपेक्षा नहीं की जाएगी।
- केंद्रीय सरकार का कोई भी कर्मचारी जो हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखता है,हिंदी में किसी दस्तावेज के अंग्रेजी अनुवाद की मांग तभी कर सकता है जब वह दस्तावेज विधिक या तकनीकी प्रकृति का हो, अन्यथा नहीं।
- विधिक दस्तावेज का निर्धारण कार्यालय प्रमुख करेगा।

. नियम-8(4) : केंद्र सरकार आदेश द्वारा ऐसे अधिसूचित कार्यालयों को विनिर्दिष्ट (specify) कर सकती है,जहां कर्मचारियों को हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है। इसके पश्चात वहाँ नोटशीट, पत्राचार तथा अन्य शासकीय प्रयोजनों के लिए केवल हिंदी में कार्य किया जाएगा।

नियम- 9 : हिंदी में प्रवीणता प्राप्त:

- यदि किसी कर्मचारी ने मैट्रिक या समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिंदी माध्यम में पास की है,या
- स्नातक या समतुल्य या उससे उच्चतर किसी अन्य परीक्षा में हिंदी को एक बैकल्पिक विषय के रूप में लिया हो,या
- वह स्वयं विहित फार्म में हिंदी में अपनी प्रवीणता घोषित कर दे, तो यह समझा जाएगा कि उसने हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कर ली है।

·नियम - 10 : हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान:

- यदि किसी कर्मचारी ने मैट्रिक या समतुल्य या उससे उच्चतर कोई परीक्षा हिंदी विषय के साथ पास की है, या
- केंद्रीय सरकार के हिंदी शिक्षण योजना के तहत आयोजित प्राज्ञ परीक्षा या उस निमित्त विनिदिष्ट कोई अन्य परीक्षा पास की हो , या
- वह स्वयं विहित फार्म में हिंदी में अपने कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त किए जाने की घोषणा कर दे, तो यह समझा जाएगा कि उसने हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

नियम – 10(4) :

- केन्द्रीय सरकार के जिन कार्यालयों के 80% कर्मचारियों/ अधिकारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उन कार्यालयों के नाम नियम 10(4) के तहत राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे, परन्तु,
- केन्द्रीय सरकार की राय है कि किसी अधिसूचित कार्यालय में काम करने वाले और हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत किसी तारीख से 80% से कम हो गया है, तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उद्घोषित कर सकती है कि उक्त कार्यालय उस तारीख से अधिसूचित कार्यालय नहीं रह जाएगा।

राजभाषा नियम - 11 :

- केंद्र सरकार से संबंधित सभी मैनुअल,संहिताएं और प्रक्रिया संबंधी अन्य साहित्य हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी रूप में जारी होंगे।
- रजिस्टरों के प्रारूप और शीर्षक द्विभाषी(हिंदी एवं अंग्रेजी) रूप में होंगे।
- केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के सभी नामपट्ट, सूचनापट्ट ,पत्र शीर्ष एवं लिफाफा पर लिखे गए लेख तथा लेखन सामग्री की अन्य मदें द्विभाषी(हिंदी एवं अंग्रेजी) रूप में होंगे।

राजभाषा नियम – 12 :

अनुपालन का उत्तरदायित्व/ Responsibility of implementation

केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का उत्तरदायित्व है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय में राजभाषा अधिनियम, नियमों, वार्षिक कार्यक्रमों का समुचित अनुपालन/ कार्यान्वयन किया जा रहा है।

राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेश

1. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें, प्रेस विज्ञप्तियां, संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें सरकारी कागजात, संविदा, करार, अनुज्ञप्तियां, अनुज्ञा-पत्र, निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषिक रूप में, अंग्रेजी और हिंदी दोनों में जारी किए जाएं। किसी प्रकार के उल्लंघन के लिए हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

2. अधीनस्थ सेवाओं की भर्ती परीक्षाओं में अंग्रेजी के अनिवार्य प्रश्न पत्र को छोड़कर शेष विषयों के प्रश्न पत्रों के उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए और ऐसे प्रश्न पत्र द्विभाषी रूप से हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराए जाएं। साक्षात्कार में भी वार्तालाप में हिंदी माध्यम की उपलब्धता अनिवार्य रूप से रहनी चाहिए।

केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों तथा उनसे संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों तथा केंद्र सरकार के स्वामित्व में या नियंत्रणाधीन निगमों, उपक्रमों, बैंकों आदि में सभी सेवाकालीन विभागीय तथा पदोन्नति परीक्षाओं में (अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाओं सहित) अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्रों के उत्तर हिंदी में भी देने की छूट दी जाए। प्रश्न पत्र अनिवार्यत: दोनों भाषाओं (हिंदी और अंग्रेजी) में तैयार कराए जाएं। जहां साक्षात्कार लिया जाना हो, वहां भी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का विकल्प दिया जाए।

3. सभी प्रकार की वैज्ञानिक/तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि को राजभाषा हिंदी में शोध पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। उक्त शोध पत्र संबद्ध मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि के मुख्य विषय से संबंधित होने चाहिए।

4. 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी प्रकार का प्रशिक्षण, चाहे वह अल्पावधि का हो अथवा दीर्घावधि का, सामान्यत: हिंदी माध्यम से होना चाहिए। 'ग' क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराई जाए और प्रशिक्षणार्थी की मांग के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए।

5. केंद्र सरकार के कार्यालयों में जब तक हिंदी टंकण करने वाले व हिंदी आशुलिपिक संबंधी निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लिए जाते, तब तक उनमें केवल हिंदी टंकण करने वाले व हिंदी आशुलिपिक ही भर्ती किए जाएं।

6. अंतर्राष्ट्रीय संधियों और करारों को अनिवार्य रूप से हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार कराया जाए। विदेशों में निष्पादित संधियों और करारों के प्रामाणिक अनुवाद तैयार कराके रिकॉर्ड के लिए फाइल में रखे जाएं।

7. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित बैंकों की शाखाओं में निम्नलिखित कार्य हिंदी में किए जाएं-

ग्राहकों द्वारा हिंदी में भरे गए आवेदनों और ग्राहकों की सहमति से अंग्रेजी में भरे गए आवेदनों पर जारी किए जाने वाले मांग ड्राफ्ट, भुगतान आदेश, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सभी प्रकार की सूचियां, विवरणियां,सावधि जमा रसीदें, चैक बुक संबंधी पत्र आदि, दैनिक बही, मस्टर, प्रेषण बही, पास बुक, लॉग बुक में प्रविष्टियां, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, सुरक्षा एवं ग्राहक सेवा संबंधी कार्य, नये खाते खोलना, लिफाफों पर पते लिखना, कर्मचारियों के यात्रा भत्ते, अवकाश, भविष्य निधि, आवास निर्माण अग्रिम, चिकित्सा संबंधी कार्य, बैठकों की कार्यसूची, कार्यवृत्त आदि।

8. विदेश स्थित भारतीय कार्यालयों सहित सभी मंत्रालयों/विभागों आदि की लेखन सामग्री, नाम पट्ट, सूचना पट्ट, फार्म प्रक्रिया संबंधी साहित्य, रबड़ की मोहरें, निमंत्रण पत्र आदि अनिवार्य रूप से हिंदी-अंग्रेजी में बनवाए जाएं।

9. भारत सरकार के मंत्रालयों, कार्यालयों, विभागों, बैंकों, उपक्रमों आदि द्वारा असांविधिक प्रक्रिया साहित्य जैसे नियम, कोड, मैनुअल, मानक फार्म आदि का अनुवाद कराने के लिए केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो को भेजा जाए।

10. अनुवाद कार्य तथा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में अनिवार्य अनुवाद प्रशिक्षण हेतु नामित किया जाए। ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अनुवाद के प्रशिक्षण पर नामित किया जा सकता है, जिन्हें स्नातक स्तर पर हिंदी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं का ज्ञान हो तथा जिनकी सेवाओं का उपयोग कार्यालय द्वारा इस कार्य के लिए किया जा सकता है।

11. भारतीय प्रशासनिक सेवा और अन्य अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रशिक्षण के दौरान हिंदी भाषा का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाता है ताकि सरकारी कामकाज में वे इसका प्रयोग कर सकें। तथापि, अधिकांश अधिकारी सेवा में आने के पश्चात सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग नहीं करते। इससे उनके अधीन कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों में सही संदेश नहीं जाता। परिणामस्वरूप, सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग अपेक्षित मात्रा में नहीं हो पाता। मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों/उपक्रमों आदि के वरिष्ठ अधिकारियों का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह अपने सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। इससे उनके अधीन कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रेरणा मिलेगी तथा राजभाषा नीति के अनुपालन में गति मिलेगी।

12. सभी मंत्रालय/विभाग आदि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए चलाई गई विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का अपने संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक अधिकारी/कर्मचारी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें और सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

13. तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन सिस्टम द्वारा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 30 दिन के भीतर राजभाषा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए।

14. सरकार की राजभाषा नीति के प्रति अधिकारियों/कर्मचारियों को सुग्राही बनाने की दृष्टि से यह आवश्यक है कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा को मात्र राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों तक ही सीमित न रखा जाए। इस संबंध में मॉनीटरिंग को और अधिक प्रभावी और कारगर बनाने के लिए यह जरूरी है कि मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों द्वारा ली जाने वाली प्रत्येक बैठक में इस पर नियमित रूप से विस्तृत चर्चा की जाए और इसे कार्यसूची की एक स्थायी मद के रूप में शामिल किया जाए।

15. हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के संबंध में जारी किए गए नये दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यशाला की न्यूनतम अवधि 01 कार्य दिवस की होगी। कार्यशाला में न्यूनतम दो तिहाई समय कार्यशाला से संबंधित विषयों पर हिंदी में कार्य करने का अभ्यास करवाने में लगाया जाए। राजभाषा विभाग द्वारा कार्यशाला में प्रयोग हेतु 'कार्यशाला संदर्शिका' वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है।

16. प्रशिक्षण और कार्यशालाओं सहित राजभाषा हिंदी संबंधी कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में बैठने के लिए अच्छा व समुचित स्थान एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वाह ठीक तरह से कर सकें।

17. राजभाषा विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों को नामित करें और नामित कर्मचारियों को निदेश दें कि वे नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहें, पूरी तत्परता से प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा परीक्षाओं में बैठें। प्रशिक्षण को बीच में छोड़ने या परीक्षाओं में न बैठने वाले मामलों को कड़ाई से निपटा जाए।

18. अनुवादकों को सहायक साहित्य, मानक शब्दकोश (अंग्रेजी-हिंदी व हिंदी-अंग्रेजी) तथा अन्य तकनीकी शब्दावलियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे अनुवाद कार्य में इनका उपयोग कर सकें।

19. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि हिंदी में प्रशिक्षण के लिए नामित अधिकारियों/कर्मचारियों के लाभ के लिए 'लीला' (लर्निंग इंडियन लैंग्वेज थ्रू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) हिंदी प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ आदि सॉफ्टवेयर के उपयोग के लिए कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध करवाएं।

20. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि अपने-अपने दायित्वों से संबंधित विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने तथा अपने विषयों से संबंधित शब्द भंडार को समृद्ध करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

21. अपने कार्य-व्यवहार में आम जीवन में प्रचलित शब्दों के प्रयोग पर बल दिया जाए, ताकि सामान्य नागरिक तक सरकारी नीतियों/ कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

22. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय आदि अपने केंद्रीय सेवाओं के प्रशिक्षण संस्थानों में राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षण की व्यवस्था उसी स्तर पर करें, जिस स्तर पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में कराई जाती है और अपने विषयों से संबंधित साहित्य का सृजन करवाएं, जिससे प्रशिक्षण के बाद अधिकारी अपना सरकारी कामकाज सुविधापूर्वक राजभाषा हिंदी में कर सकें। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम मल्टीमीडिया प्रॉजेक्टर, लैपटॉप आदि के माध्यम से आडियो/विजुअल रूप मे दिया जाए।

23. सभी मंत्रालय/विभाग/कार्यालय/संस्थान आदि अपने कार्यालय में हिंदी में कार्य का माहौल तैयार करने के लिए हिंदी पत्रिकाओं का प्रकाशन कर रहे हैं। इन पत्रिकाओं में विशेषकर उक्त कार्यालय के सामान्य कार्यों तथा राजभाषा हिंदी से संबंधित मौलिक आलेख प्रकाशित किए जाएं।

24. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की छमाही बैठकों में सदस्य कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख अनिवार्य रूप से भाग लें।

25. सभी मंत्रालय विभाग अपने संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के बारे में वर्ष 2016-17 के वार्षिक कार्यक्रम से संबंधित समेकित अनुपालन रिपोर्ट राजभाषा विभाग को 31 मई, 2017 तक भिजवाना सुनिश्चित करें।

26. कम्प्यूटर पर हिंदी प्रयोग के लिए केवल यूनिकोड इनकोडिंग का प्रयोग किया जाए।

27. यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मंत्रालयों/ विभागों आदि द्वारा प्रयोग में लाई जा रही कंप्यूटर प्रणालियों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा हो और उसका प्रयोग किया जाए।

28. मंत्रालयों/विभागों के अंतर्गत आने वाले कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा का संवर्ग गठित होना चाहिए, जो कि कुल पदों के अनुरूप हो। उन सब के लिए वही वेतनमान मंजूर किए गए हैं जो कि केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग को प्रदान किए गए हैं।

29. हिंदी कार्यशालाओं में हिंदी लेखन अभ्यास पर बल दिया जाए तथा यूनिकोड इनकोडिंग, ई-मेल, डिक्टेशन का उपयोग करना भी सिखाया जाए।

30. कार्यालय-प्रमुखों को कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करने की पहल करनी चाहिए।

31. हिंदी भाषा का ज्ञान राजभाषा के कार्यान्वयन का आधार है | अत: सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिंदी भाषा प्रशिक्षण के लिए भी कम से कम एक सत्र होना चाहिए |

32. राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा विभाग राजभाषा कीर्ति पुरस्कार देता है। वर्ष 2016-17 से राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत आंशिक संशोधन करते हुए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (न.रा.का.स) को दिए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या 3 से बढ़ा कर 6 कर दी गई है। 'क', 'ख' व 'ग' क्षेत्रों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को दो-दो शील्ड प्रदान की जाएंगी एवं पुरस्कार विजेता नराकास के सदस्य-सचिव को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा । योजना की जानकारी राजभाषा विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध है।

33. राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का ज्ञान रखने वाले सरकारी कार्मिकों की हिंदी में काम करने की झिझक को दूर करना है । इन कार्यशालाओं में मुख्य रूप से सरकारी काम हिंदी में किए जाने का अभ्यास करवाया जाना चाहिए। यह अभ्यास संबंधित कार्मिकों के रोजमर्रा के कार्य से संबंधित होना चाहिए। कार्यशाला की न्यूनतम अवधि एक कार्य दिवस की होगी एवं कार्यशाला में न्यूनतम दो-तिहाई समय कार्यालय से संबंधित विषयों पर हिंदी में कार्य करने का अभ्यास करवाने में लगाया जाए ।

34. केंद्र सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हिंदी पदों का मानक राजभाषा विभाग द्वारा परिचालित किया गया है । यह मानक मंत्रालय/विभागों और संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के साथ-साथ स्वायत्त निकायों पर भी लागू होते हैं । इसकी विस्तृत जानकारी राजभाषा विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध है ।

35. राजभाषा विभाग द्वारा केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से हर वर्ष 5 दिवसीय 100 हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाता है । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिक से अधिक अधिकारियों/ कर्मचारियों को नामित करें । कार्यक्रम की जानकारी www.rajbhasha.gov.in पर भी उपलब्ध है ।

36. राजभाषा विभाग की पत्रिका राजभाषा भारती में प्रकाशित नियमित लेखों के लिए मानदेय की राशि बढ़ाकर 3000/- रु की गई है । इसी तरह विशेषांक में प्रकाशित लेखों के लिए मानदेय की राशि बढ़ाकर 5000/- रु की गई है ।

37. सभी मंत्रालय/विभाग हर तिमाही में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन करें ।

38. गृह पत्रिकाओं में संगठन के कार्य-क्षेत्र संबंधी लेख अधिक से अधिक शामिल किए जाएं ताकि अधिकारी/कर्मचारी उससे संबन्धित शब्दावली से लाभान्वित हो सकें ।

39. राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागजात द्विभाषी रूप में एक साथ जारी करें और जारी करते समय यह ध्यान रखा जाए कि हिंदी रूपांतर, अंग्रेजी के ऊपर रहे ।

40. 14 सितम्बर, 2016 से हिंदी में श्रुतलेख देने के लिए प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करके 5000/- रुपए कर दी गई है ।

41. सरकारी कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए आयोजित की जानेवाली कार्यशाला में प्रशिक्षण देने वाले अधिकारियों को मानदेय राशि दी जाती है । इसके अंतर्गत केंद्र/ राज्य सरकार के सेवारत अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए 75 मिनट के प्रति सत्र के लिए 500/- रुपए का पारिश्रमिक मानदेय होता है । किसी भी वक्ता को 1 वर्ष में पारिश्रमिक मानदेय के रूप में देय राशि 5000 रुपए से अधिक नहीं होगी । केंद्र /राज्य सरकार के सेवारत अधिकारियों/ कर्मचारियों को छोड़कर अन्य अतिथि वक्ताओं को 75 मिनट के प्रति सत्र के लिए 1000 रुपए का पारिश्रमिक मानदेय दिया जाता है । 5000 रुपए प्रति वर्ष देय पारिश्रमिक/ मानदेय की सीमा इस श्रेणी पर लागू नहीं होगी ।

42. कोई भी गैर सरकारी संस्था, राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा केंद्र सरकार के कर्मचारियों को राजभाषा का प्रशिक्षण देने के लिए अधिकृत नहीं की गई है । राजभाषा विभाग के अंतर्गत कार्यरत प्रशिक्षण केंद्र पहले से ही देश भर में काम कर रहे हैं जो केंद्र सरकार के अधिकारियों व कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण नि:शुल्क देते हैं एवं राजभाषा पर विचार-विमर्श के लिए कार्यशाला का आयोजन करते हैं । राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुसार सभी कार्यालय/बैंक/उपक्रम इत्यादि अपने - अपने कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आयोजित करते हैं । राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर अंग्रेजी के अतिरिक्त 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी भाषा का प्रशिक्षण ऑनलाइन दिए जाने की सुविधा उपलब्ध है । अतः गैर-सरकारी सदस्यों द्वारा आयोजित किए जा रहे राजभाषा के प्रशिक्षण एवं कार्याशालाओं में भाग लेने के लिए सरकारी कोष से अनावश्यक धन खर्च करना वांछनीय नहीं है ।

43. केंद्र सरकार के मंत्रालयों/ विभागों /सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ स्वायत्त निकायों/ सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार के लिए समय- समय पर हिंदी गृह पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं । इन पत्रिकाओं के कलेवर, साज सज्जा और लेखों की शैली में उल्लेखनीय प्रगति हुई है । हिंदी पत्रिकाओं को स्तरीय बनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग द्वारा केंद्र सरकार की ओर से उल्लिखित संगठनों द्वारा प्रकाशित हिंदी गृह पत्रिकाओं के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रत्येक भाषाई क्षेत्र यथा 'क', 'ख' एवं 'ग' में इस योजना में 2-2 पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं । पुरस्कारों के अंतर्गत शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं । इस योजना के अंतर्गत नकद पुरस्कार देय नहीं हैं । पुरस्कार पाने हेतु पत्रिका में कम से कम 40 पृष्ठ होने चाहिए । हिंदी में पृष्ठों की संख्या कुल मुद्रित पृष्ठों की कम से कम 80 प्रतिशत होनी चाहिए। पत्रिका के 1 अप्रैल से 31 मार्च की अवधि के दौरान कम से कम 2 अंक प्रकाशित होने चाहिए ।

44. आधुनिक ज्ञान/ विज्ञान की विभिन्न विधाओं एवं राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मौलिक रुप से राजभाषा हिंदी में पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए राजभाषा विभाग राजभाषा गौरव पुरस्कार देता है । राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना की जानकारी राजभाषा विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध है।

45. राजभाषा विभाग ने अपनी वेबसाइट पर विभिन्न संस्थाओं के लिंक दे रखे हैं जिनके माध्यम से इन संस्थाओं की शब्दावली देखी जा सकती है । इस संबंध में यदि कार्यालयों द्वारा कोई अपनी शब्दावली तैयार की गई है, तो वह उसे विभाग से साझा करें ताकि बाकी कार्यालय भी लाभान्वित हो सकें ।

46. यह देखा गया है कि वेबसाइट पर या तो सूचना हिंदी में नहीं दी जाती या पूर्णतया हिंदी में उपलब्ध नहीं है। अपनी वैबसाइट सम्पूर्ण रूप से हिन्दी में विकसित करवाएं।

47. हिंदीतर राज्यों में बोर्ड, साइन बोर्ड, नामपट्ट तथा दिशा संकेतकों के लिए क्षेत्रीय भाषा, हिंदी तथा अंग्रेजी इसी क्रम में प्रयोग की जानी चाहिए ।

48. मैनुअल/कोड/फार्म आदि की पांडुलिपियों को द्विभाषी रूप में तैयार करा कर ही मुद्रण के लिए भिजवाया/स्वीकार किया जाए ।

*****

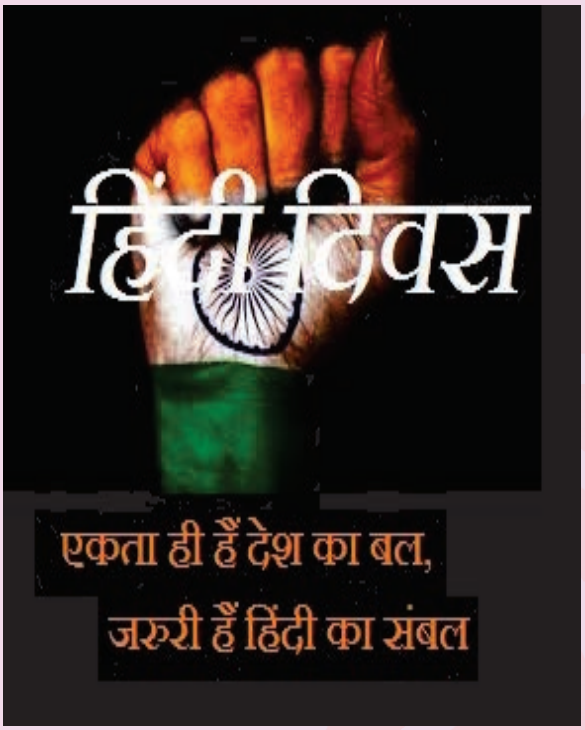

सम्पर्क में सहज - हिन्दी,
कार्य में सहज - हिन्दी,
बात में सरल - हिन्दी,
समझने में सरल - हिन्दी

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2017-18 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% **4.** क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति 100%	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% **4.**ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 100%	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% **4.** ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 85%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/ डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद ।	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)	100%(द्विभाषी)

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2017-18 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)	25%(न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें (क) हिंदी सलाहकार समिति (ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2 बैठकें वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक) वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%		

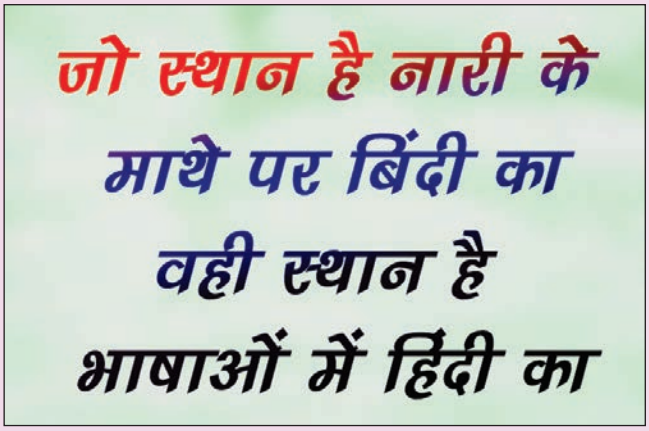

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : 24.05.2016

श्री बी.सी. त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक द्वारा बैठक में वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए

श्री बी.आर. साहू कलिहारी,सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा) द्वारा बैठक में प्रस्तुतिकरण करते हुए

राजभाषा एवं प्रबंधन विकास संस्था से श्री ओ पी मिश्रा, मुख्य प्रबंधक(सिविल) द्वारा ग्रहण किए राजभाषा शील्ड श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) को सौंपते हुए

महानदी कोलफिल्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 24.05.2016 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) श्री बी.सी. त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि एमसीएल के सभी क्षेत्रों एवं विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन संतोषजनक है। एमसीएल हिंदी पत्राचार एवं हिंदी टिप्पणी के मामले में लक्ष्य प्राप्त कर चुका है, धारा 3 (3) के क्षेत्र में भी प्रयास सराहनीय है। भारत सरकार की राजभाषा नीति का लक्ष्यानुरूप अनुपालन करना हमारी संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। एक सरकारी कर्मचारी होने के नाते सभी को स्वस्थ मानसिकता से लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्रध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण से संबंधित एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। आगे उन्होंने एमसीएल में हो रहे राजभाषा कार्यों के बेहतर निष्पादन हेतु कई सुझाव भी प्रस्तुत किए।

श्री. बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा बैठक में उपस्थित प्रतिभागियो का स्वागत किया गया एवं मार्च, 2016 तिमाही के दौरान एमसीएल में किए गए राजभाषा कार्यान्वयन का विस्तृत बिवरण पावर प्वाइट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से सदन में प्रस्तुत किया गया साथ ही भारत सरकार, राजभाषा विभाग के वर्ष 2016-17 के वार्षिक कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई।

राजभाषा एवं प्रबंधन विकास संस्था, दिल्ली द्वारा कन्याकुमारी में 17 से 19 मई, 2016 तक आयोजित राजभाषा सेमिनार में **"उत्कृष्ट कार्यन्वयन के लिए एमसीएल को राजभाषा शील्ड"** से नवाजा गया, जिसे श्री ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य प्रबंधक (सिविल), एमसीएल द्वारा ग्रहण किया गया एवं बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय को सुपुर्द किया गया।

बैठक में मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के प्रमुख/प्रतिनिधि तथा भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक उपस्थित हुए।

श्री ओम प्रकाश मिश्रा, मुख्य प्रबंधक (सिविल), एमसीएल मुख्यालय द्वारा बैठक अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : 28.07.2016

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 28.07.2016 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री लीला नंद मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि एमसीएल के सभी क्षेत्रों एवं विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। इसके लिए संसाधनों की कमी नहीं बल्कि क्षेत्रीय महाप्रबंधकों एवं मुख्यालय के विभागाध्यक्षों की सकारात्मक सहयोग की जरुरत है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के पूर्ण अनुपालन हेतु एमसीएल कृत संकल्प है इसके लिए हम सभी को स्वस्थ मानसिकता से लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबं.प्रशि.सं./रा.भा/मा.सं.वि./कौशल विकास)-सह-सर्वकार्यभारी अधिकारी, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार द्वारा अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। उन्होंने एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन को दृष्टिगत करते हुए केंद्र सरकार द्वारा राजभाषा हिंदी के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु क्षेत्रों एवं विभागीय प्रमुखों से सक्रिय सहयोग हेतु अनुरोध किया।

श्री बी.आर. साहु कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई की पृष्टि की गई। 18 एवं 21 जुलाई, 2016 को विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोयला मंत्रालय द्वारा की गई एमसीएल की राजभाषायी समीक्षा संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से सदन में प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम में मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक/मुख्य राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारीगण के साथ-साथ भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के डॉ. हरिश्चंद शर्मा, हिंदी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

श्री एल.एन. मिश्रा,निदेशक(कार्मिक) द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

बैठक में श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा निदेशक(कार्मिक) श्री एल.एन.मिश्रा का स्वागत करते हुए

श्री ए.के.जयपुरिया,वरि. प्रबंधक/नामित राजभाषा अधिकरी द्वारा श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) का स्वागत करते हुए

श्री ए.के. जयपुरिया,वरि. प्रबंधक/नामित राजभाषा अधिकरी द्वारा डॉ.हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यपक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर का स्वागत करते हुए

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : 27.10.2016

बैठक को संबांधित करते हुए में श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र. प्रशि.सं./राजभाषा/ मासंवि)

बैठक को संबांधित करते हुए श्री एल.एन.मिश्रा, निदेशक (कार्मिक)

बैठक का दृष्य

बैठक का दृष्य

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 27.10.2016 को श्री एल. एन. मिश्रा, निदेशक (कार्मिक), एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा/मा.सं.वि.) श्री बी.सी. त्रिपाठी ने अध्यक्ष महोदय एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विभागों एवं क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को राजभाषा नीतियों के शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हेतु अपील की।

अध्यक्ष महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि एमसीएल के सभी क्षेत्रों एवं विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन हो रहा है इसे और त्वरान्वित करने की आवश्यकता है। भारत सरकार की राजभाषा नीति का लक्ष्यानुरुप अनुपालन करना हमारी संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। अतः हम सभी को स्वस्थ मानसिकता से लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर रहना है।

श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कारवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में जून, 2016 एवं सितम्बर, 2016 तिमाहियों की तुलनात्मक समीक्षा की गई। तिमाही के दौरान एमसीएल में निष्पादित राजभाषा कार्यान्यन की गतिविधियों को पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से सदन में प्रदर्शित किया गया।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किया गया।

बैठक में मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, नामित राजभाषा अधिकारी तथा भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक उपस्थित हुए। श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

बैठक के दौरान डॉ. हरिश्चंद्रशर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर द्वारा हिंदी प्रशिक्षण संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : 31.01.2017

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 31.01.2017 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एमसीएल के महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि. संस्थान / राजभाषा /मासंवि) श्री बी. सी. त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्यालय स्थित विभागों के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक/मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी/सहायकगण के साथ-साथ भारत सरकार, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर के हिंदी प्राध्यापक डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा उपस्थित हुए।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री त्रिपाठी ने कहा कि एमसीएल राजभाषा नीति का शतप्रतिशत अनुपालन करने हेतु कृत संकल्प है, इसके लिए जितनी मेहनत करनी हो किया जाए। आगे उन्होंने कहा कि हाल ही में प्राप्त कोल इंडिया के पत्र के अनुसार सभी क्षेत्रों में प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी कार्यशाला आयोजित किया जाना अपेक्षित है।

महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि. संस्थान/राजभाषा/मासंवि) ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि एमसीएल में राजभाषा अनुपालन की स्थिति बेहतर है और इसे कायम रखने की आवश्यकता है। राजभाषा हिंदी जनभाषा एवं संपर्क की भाषा है, जो सहज, सरल एवं मधुर है। इसे हर भारतीय को व्यवहार में लाना चाहिए। यह हमारे संविधान से जुडी हुई भाषा है अत: हिंदी में कार्य करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर द्वारा एमसीएल में चलाये जा रहे हिंदी भाषा प्रशिक्षण पर संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई एवं प्रत्येक तिमाही में हर क्षेत्र/इकाई द्वारा नियमित रूप से बैठक एवं कार्यशाला के आयोजन पर जोर दिया गया।

श्री बी. आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचीवीय/राजभाषा), राजबाषा विभाग, मुख्यालय द्वारा बैठक के संचालन के साथ-साथ बैठक में उपस्थित अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/ राजभाषा/ मासंवि)

श्री बी.आर. साहु कलिहारी, सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा), एमसीएल द्वारा बैठक का संचालन करते हुए

डॉ. हरिशचंद्र शर्मा,हिंदी प्रशिक्षण शिक्षण योजना, संबलपुर द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

हिंदी दिवस तथा राजभाषा पखवाड़ा -2016 का उद्घाटन समारोह :-

श्री ए.के.झा,अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

श्री जे.पी.सिंह, निदेशक(तकनीकी/संचालन)का स्वागत पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

श्री के.के.परीडा,पूर्व निदेशक(वित्त) का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

श्री एल.एन.मिश्रा,निदेशक(कार्मिक) का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) ।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, जागृति विहार में दिनांक 14.09.2016 को एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अनिल कुमार झा की अध्यक्षता में हिंदी दिवस तथा राजभाषा पखवाडा-2016 का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अध्यक्ष महोदय के अलावा एमसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री जे. पी. सिंह, पूर्व निदेशक (वित्त) श्री के. के. परिडा, निदेशक (कार्मिक) श्री एल.एन. मिश्रा एवं निदेशक (तकनीकी/योजना व परियोजना) श्री ओ. पी. सिंह सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। साथ ही अतिथि वक्ता द्वय प्रोफेसर के. पी. गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जीएम कॉलेज, संबलपुर तथा डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्रध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, संबलपुर ने समारोह में प्रतिभागिता की।

महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि. संस्थान/राजभाषा/मानव संसा-विकास) श्री बी.सी. त्रिपाठी द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा उपरोक्त दोनों अतिथि वक्ताओं को शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधने के लिए मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा हिंदी का भी प्रयोग किए जाएं। आगे उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का प्रयास करें, थोड़ी बहुत भूल हो सकती है परंतु धीरे-धीरे इसमें स्वतः सुधार हो जाएगा।

इसी प्रकार मुख्य वक्ता प्रोफेसर के.पी. गुप्त ने बड़े ही सारगर्भित ढंग से हिंदी के ऐतिहासिक संदर्भ की अभिव्यंजना करते हुए हिंदी की दशा एवं दिशा पर रोचक ढंग से प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि

श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक(तकनीकी/योजना व परियोजना) का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)।

अंग्रेजी की तरह ही हिंदी के क्षेत्र में भी तकनीकी विकास अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए भारत के तकनीकीविदों द्वारा नये-नये आविष्कार किए जाने अपेक्षा है।

बैठक के प्रांरभ में श्री त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने 14 से 28 सितम्बर 2016 तक मनाये जा रहे पखवाड़ा के दौरान आयोजित होनेवाली विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में अधिक संख्या में भाग लेने हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों से अनुरोध किया।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा ने हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की विवेचना करते हुए वर्तमान में हिंदी भाषा की प्रासंगिकता पर संक्षिप्त वक्तव्य प्रस्तुत किया।

बैठक में मुख्यालय के विभागाध्यक्षगण के साथ-साथ क्षेत्रों तथा मुख्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भाग लिए। श्री बी.आर. साहु कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा समारोह का संचालन किया गया तथा अंत में श्री मुक्तेश्वर सोनकुसरे, कनीय अनुवाद (प्रशिक्षु) ने अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा-2016 के उद्घाटन अवसर पर मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए श्री ए.के.झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं श्री के.के.परीडा, पूर्व निदेशक(वित्त) (दाएं से बाएं)

मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए श्री एल.एन.मिश्रा, निदेशक(कार्मिक) एवं श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक तकनीकी(परियो./यो.) (दाएं से बाएं)

समारोह को संबोधित करते हुए में श्री ए.के. झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय ।

श्री ए.के. झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा कार्यकम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर के पी गुप्ता,पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी), जीएम कॉलेज,संबलपुर का शॉल/श्रीफल से सम्मानित करते हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर के.पी.गुप्ता,पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी),जीएम कॉलेज,संबलपुर

ए.के. झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा आमंत्रित वक्ता डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर का शॉल/श्रीफल से सम्मानित करते हुए।

राजभाषा पखवाड़ा, 2016 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं

टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता का दृश्य

टिप्पण-आलेखन प्रतियोगिता का दृश्य

गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता का दृश्य

गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता का दृश्य

टंकण प्रतियोगिता का दृश्य

टंकण प्रतियोगिता का दृश्य

वाद-विवाद प्रतियोगिता

श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्र प्रशि सं./राजभाषा/मासंवि)

श्री के. के. परिडा, पूर्व निदेशक(वित्त) का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी,महाप्रबंधक श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र प्रशि सं./राजभाषा/मासंवि)

श्री मुनव्वर खुर्शीद, मुख्य सतर्कता अधिकारी, भा.रे.सु.ब. का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र प्रशि सं./राजभाषा/मासंवि)।

श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी (परियोजना/योजना) का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र प्रशि सं./राजभाषा/मासंवि)।

राजभाषा पखवाड़ा-2016 का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह तथा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन-

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार स्थित ऑडिटोरियम में दिनांक 28.09.2016 को राजभाषा पखवाडा-2016 के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह तथा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में एमसीएल के पूर्व निदेशक (वित्त) श्री के.के. परिडा, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मुनव्वर खुर्शीद, निदेशक (तकनीकी/योजना व परियोजना) श्री ओम प्रकाश सिंह उपस्थित हुए विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सीताराम मिश्रा, जागृति बिहार, प्रोफेसर के.पी. गुप्त, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), संबलपुर तथा जागृति महिला मंडल, एमसीएल की अध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) निशा ठाकुर एवं उपाध्यक्षागण - श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, श्रीमती मधु मिश्रा एवं श्रीमती पद्मजा सिंह की उपस्थिति उत्साहवर्द्धक रही।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा/मा.सं.वि) ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रित अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया साथ ही श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव जागृति महिला मण्डल द्वारा अध्यक्षा एवं समस्त उपाध्यक्षागण का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। श्री त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में एमसीएल के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से राजभाषा नीति के पूर्णतः अनुपालन हेतु हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दिया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हिंदी का प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार सिर्फ हिंदी पखवाडा तक ही सीमित न करके इसे पूरे वर्ष जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार कोयला उत्पादन में एमसीएल को प्रथम स्थान प्राप्त है उसी प्रकार राजभाषा कार्यान्वयन में भी एमसीएल को अव्वल होना चाहिए।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं निदेशकगण के कर-कमलों से पखवाडे के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं निदेशकगण के कर-कमलों राजभाषा विभाग, मुख्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका "एमसीएल में राजभाषा क्रियान्वयन की झलकियाँ "के चतुर्थ अंक का विमोचन किया गया।

अध्यक्ष महोदय द्वारा आमंत्रित कवियों को एवं अध्यक्षा, जागृति महिला मंडल द्वारा आमंत्रित कवयित्री को शॉल, श्रीफल तथा पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया।

दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2016 तक मुख्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट श्री बी.आर. साहु कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचीवीय/राजभाषा) द्वारा प्रस्तुत की गई साथ ही साथ कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं की गतिविधियां एवं इसके परिणाम पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

इस अबसर पर श्री दिनेश देहाती के संयोजन में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य एवं व्यंग्य से युक्त कवि श्री दिनेश देहाती (बालाघाट, म.प्र.) श्री अशोक सुन्दरानी (सतना, म.प्र.), श्री ब्रजकिशोर पटेल (म.प्र.), श्री कमलेश देव (नागदा, म.प्र.), श्रीयुक्त सत्यानाश (भुवनेश्वर) एवं कवयित्री श्रीमती विभा सिंह (मिर्जापुर, ऊ.प्र.) ने बडे तादाद में उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम में मुख्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षगण, अधिकारी/कर्मचारी गण तथा उनके परिवार के सदस्यगण उपस्थित हुए।

श्री ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य प्रबंधक (सिविल), मुख्यालय द्वारा समारोह का सफल संचालन किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया गया।

डॉ. (श्रीमती) निशा ठाकुर, अध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल, संबलपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल संबलपुर

श्रीमती परमजीत कौर,उपाध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल, संबलपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल संबलपुर

श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा, पूर्व उपाध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल, संबलपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल संबलपुर

श्रीमती मधु मिश्रा, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल, संबलपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल संबलपुर

श्रीमती पद्मजा सिह, उपाध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल, संबलपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए श्रीमती रंजिता त्रिपाठी, सचिव, जागृति महिला मण्डल, एमसीएल संबलपुर

मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

.मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए पूर्व निदेशक(वित्त) श्री के.के.परिडा, श्री मुनव्वर खुर्शीद, मुख्य सतर्कता अधिकारी भा.रे.सु.ब. एवं श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी(परियोजना/योजना)।

आमंत्रित कवयित्री श्रीमती विभा सिंह, मिर्जापुर उ.प्र. द्वारा मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए।

.श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, महोदय द्वारा समारोह को संबोधित करते हुए।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा समारोह को संबोधित करते हुए

श्री बी.आर.साहु कलिहारी, सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा) द्वारा राजभाषा पखवाड़ा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए।

श्री अनिल कुमार झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा आमंत्रित कवि श्री दिनेश देहाती, बालाघाट का शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित करते हुए।

डॉ.(श्रीमती) निशा ठाकुर, अध्यक्षा, जागृति महिला मण्डल द्वारा कवयित्री श्रीमती विभासिंह, मिर्जापुर का शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित करते हुए।

कविता पाठ करते हुए कवि श्री दिनेश देहाती, बालाघाट

कविता पाठ करते हुए कवयित्री श्रीमती विभासिंह, मिर्जापुर

कवि सम्मेलन में कविताओं का आनंद लेते हुए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री अनिल कुमार झा

. कविताओं का आनंद लेते हुए श्री मुनव्वर खुर्शीद,भा.रे.सु.ब.,मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री ओम प्रकाश सिंह, निदेशक(तक./योजना एवं परियोजना), श्री सीताराम मिश्रा, जागृति विहार एवं स्थानीय साहित्यकार प्रो. के.पी. गुप्ता (दाएं से बाएं)

हास्य कवि सम्मेलन में कविताओं का आनंद लेते हुए जागृति महिला मण्डल की अध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) निशा ठाकुर, उपाध्यक्षागण श्रीमती परमजीत कौर, श्रीमती ज्योतिर्मयी परिडा (बाएं से दाएं)

हास्य कवि सम्मेलन में कविताओं का आनंद लेते हुए जागृति महिला मण्डल की उपाध्यक्षगण श्रीमती पद्मजा सिंह एवं श्रीमती मधु मिश्रा (दाएं से बाएं)

कविताओं का आनंद लेते हुए महाप्रबंधक गण

. शानदार गजल प्रस्तुति के साथ समारोह का संचालन एवं कवि सम्मेलन उपरान्त अतिथियों/प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री ओमप्रकाश मिश्र,मुख्य प्रबंधक(सिविल),ई-प्रोक्योरमेंट,एमसीएल।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री ए.के.झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री के.के.परिडा, पूर्व निदेशक (वित्त) एवं श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजन एवं योजना)

राजभाषा निरीक्षण-सह-कार्यशाला दिनांक 23.04.2016

दिनांक 23 अप्रैल,2016 को महानदी कोलफील्डस लिमिटेड, जागृति विहार स्थित मुख्य सभागार में श्री एल.एन. मिश्रा, निदेशक(कार्मिक), एमसीएल की अध्यक्षता में कोयला मंत्रालय की राजभाषायी निरीक्षण बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के श्री सुबोध कुमार,संयुक्त निदेशक (राजभाषा) एवं डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर के साथ-साथ एमसीएल मुख्यालय के महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्ष,क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक/मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी, नामित राजभाषा अधिकारी, अनुवादकगण तथा राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े कर्मचारी गण उपस्थित हुए।

अध्यक्ष महोदय द्वारा कोयला मंत्रालय, राजभाषा विभाग के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री सुबोध कुमार का स्वागत किया गया।

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि. सं./राजभाषा) ने अध्यक्ष एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एमसीएल ग-क्षेत्र में अवस्थित होते हुए भी यहाँ राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन जोर-शोर से हो रहा है, इसका श्रेय यहां के हिंदी प्रेमी कार्मिकों को जाता है। हम सभी भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करने हेतु कृत संकल्प हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि एमसीएल राजभाषा नीति के अनुपालन, इसके प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयासरत है। राजभाषा की टीम सभी क्षेत्रों में पदस्थापित किए जा चुके हैं, जो अपने मेहनत एवं लगन से राजभाषा नीति के पूर्णतया अनुपालन में सहायक सिद्ध होंगे ।

कार्यशाला को श्री सुबोध कुमार द्वारा संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्णतया अनुपालन करना हम सब का दायित्व है। साथ ही एमसीएल में राजभाषा नीति /नियमों के पूर्ण एवं बेहतर अनुपालन हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

बैठक में श्री राजपाल यादव, महाप्रबंधक(कार्मिक)/ क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ईब वैली क्षेत्र ने ईब वैली कोयलांचल में तथा श्री जी.पी. महापात्रा, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, लिंगराज क्षेत्र ने तालचेर कोयलांचल में राजभाषा नीति के अनुपालन में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

डॉ. हरिश्चन्द्र शर्मा ने कहा कि एमसीएल में हिंदी भाषा प्रशिक्षण सत्र नियमित रूप से संचालित की जा रही है। इसके अलावा यहां अनुवाद प्रशिक्षण, कार्यशाला, यूनिकोड प्रशिक्षण, नव नियुक्तियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम, नराकास,संबलपुर के अन्तर कार्यालयीन प्रतियोगिताएं, राजभाषा सेमिनार आदि कराए जाते हैं,जिनमें राजभाषा कार्यान्वयन, अनुवाद ब्यूरो एवं हिंदी शिक्षण योजना से संकाय सदस्यों को आमंत्रित किए जाते हैं।

श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा श्री एल.एन.मिश्रा निदेशक(कार्मिक) का स्वागत करते हुए

श्री एल.एन.मिश्रा निदेशक(कार्मिक) द्वारा श्री सुबोध कुमार,संयुक्त निदेशक(राजभाषा), भारत सरकार,कोयला मंत्रालय का स्वागत करते हुए

निदेशक(कार्मिक) श्री एल.एन.मिश्रा द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

श्री सुबोध कुमार, संयुक्त निदेशक(राजभाषा), भारत सरकार, कोयला मंत्रालय द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए

श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा संबोधित करते हुए

श्री हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना द्वारा संबोधित करते हुए

बैठक में प्रस्तुति देते हुए श्री बी.आर.साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा)

कार्यशाला : 06 एवं 07 मई, 2016

दिनांक 06 एवं 07 मई, 2016 को एमसीएल मुख्यालय स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, में नवनियुक्त एवं पूर्व पदस्थापित हिंदी अनुवादकों एवं राजभाषा लिपिकों के लिए एमसीएल के वार्षिक लेखा प्रतिवेदन पर आधारित दो-दिवसीय हिंदी अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यरत सभी नवनियुक्त अनुवादक एवं लिपिकगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा) एवं आमंत्रित संकाय सदस्य के रूप श्री उदयनाथ बेहेरा, पूर्व प्रबंधक (राजभाषा), एमसीएल ने प्रशिक्षुओं को हिंदी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद एवं हिंदी के कम्प्लेक्स वाक्यों एवं साधारण वाक्यों के विषय में सविस्तार प्रशिक्षण दिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 15 अनुवादकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हिंदी अनुवाद प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला को संबोधित करते हए श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

कार्यशाला को संबोधित करते हए आमंत्रित संकाय सदस्य श्री उदयनाथ बेहेरा,पूर्व प्रबंधक(राजभाषा)

कार्यशाला : 28.07.2016

दिनांक 28.07.2016 को मुख्यालय में श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होने कहा कि कोयला मंत्रालय द्वारा विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जानेवाली एमसीएल की आगामी समीक्षा के लिए प्रत्येक क्षेत्रों एवं विभागों में राजभाषा नीति/नियमों का पूर्णतया अनुपालन किया जाना है एवं तत्संबंधित दस्तावेज भी अनिवार्य रूप से तैयार रखना है, ताकि समीक्षा बैठक में नियमानुसार दस्तावेज प्रस्तुत की जा सके।

कार्यशाला के वक्ता डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक महोदय ने एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में आनेवाली कठिनाईयों को दूर करने के कई उपाय सुझाए एवं राजभाषा तिमाही रिपोर्ट के समस्त बिन्दुओं की अभिव्यंजना की गई। राजभाषा नीति-नियमों पर दिए गए स्पष्ट एवं विस्तृत वक्तव्य से प्रतिभागीगण लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम में मुख्यालय एवं क्षेत्रों के नामित राजभाषा अधिकारियों के साथ–साथ राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचीवीय/राजभाषा) ने किया एवं इनके द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

कार्यशाला को संबोधित करते हए श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर द्वारा कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

कार्यशाला : 10.12.2016

दिनांक 10.12.2016 को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री वीरेन्द्र पाठक, मुख्य प्रबंधक, मानव संसाधन विकास, एमसीएल मुख्यालय द्वारा किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में संबलपुर से डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार उपस्थित हुए। इनके अलावा क्षेत्रों एवं मुख्यालय स्थित विभागों के प्रेषण एवं प्राप्ति से जुड़े लिपिकों / सहायकों / हिंदी अनुवादकों ने कार्यशाला में भाग लिया।

श्री बी.आर.साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय /राजभाषा), राजभाषा विभाग, मुख्यालय द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा नीति के पूर्ण अनुपालन हेतु पत्रो के प्रेषण तथा प्राप्ति कार्य से जुडे लिपिकों/सहायकों की सक्रिय भूमिका अपेक्षित है। उन्होंने कार्यालयों में हिंदी पत्रों एवं आंकडों के सही-सही रिकार्ड रखे जाने पर बल दिया ताकि तिमाही रिपोर्ट को समय पर एवं सही रूप में प्रस्तुत की जा सके।

अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. शर्मा ने राजभाषा नीति एवं नियमों/अधिनियमों की सविस्तार जानकारी प्रस्तुत करते हुए प्राप्ति एवं प्रेषण रजिस्टरों को कार्यालय विशेष का आइना बताया तथा उनमें प्रविष्टि की विभिन्न विधियां, राजभाषा प्रबंधन से जुडे अन्य दस्तावेजों एवं रिकार्ड के निर्माण एवं रख-रखाव की अद्यतन जारकारी दी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री बीरेन्द्र पाठक, मुख्य प्रबंधक (खनन) मानव संसाधन विकास विभाग।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, संबलपुर द्वारा कार्यशाला को संबोधित करते हुए

कार्यशाला का दृष्य

हिंदी यूनिकोड कंप्यूटर प्रशिक्षण- 20 से 25 जून, 2016 एवं 20 से 25 फरवरी, 2017

एमसीएल मुख्यालय, आनंद विहार स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में दिनांक 20 से 25 जून, 2016 एवं दिनांक 20 से 25 फरवरी, 2017 तक दो चरणों में यूनिकोड समर्थित हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्रमश: 44 एवं 43 अर्थात कुल 87 अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री बी.सी. त्रिपाठी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दोनों ही चरणों में श्री अनूप कुमार, सहायक निदेशक, एवं श्री रमेश चन्द्र मिश्रा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, कोलकाता बतौर प्रशिक्षक भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षकों द्वारा कंप्यूटरों में युनिकोड सक्रिय करना, विभिन्न की-बोर्ड का परिचय एवं टंकण कराना, राजभाषा विभाग के ई-टूल्स, मंत्र अनुवाद, हिंदी एवं समस्त भारतीय भाषा में इंटरनेट, ई-मेल, ई-महाशब्दकोश, अनुवाद की सुविधाएं इंटरनेट के माध्यम से, वायस टू टैक्सट/टैक्सट टू वायस, गूगल डॉक, पिडीएफ टू वर्ड फाईल, फोटो टू वर्ड फाइल, सेंटर सांइंटिफिक टर्मिनिलॉजी टेक्सट, किसी भी फॉंट से किसी भी फॉंट में कनर्बट करना, हिंदी भाषा शिक्षण पैकेज प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ सॉफ्टवेयर एवं कंप्यूटर में काम करने के संबंध में प्रतिभागियों की समस्याएं एवं सुझाव पर आलोकपात किया गया।

हिंदी यूनिकोड कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

प्रशिक्षण देते हुए श्री अनूप कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, राजभाषा विभाग कोलकाता

प्रशिक्षण देते हुए श्री रमेश चन्द्र मिश्रा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार, राजभाषा विभाग कोलकाता

प्रशिक्षण कार्यक्रम का दृष्य

अनुवाद प्रशिक्षण - 30 जनवरी से 03 फरवरी, 2017

केन्दीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली से आमंत्रित प्रशिक्षक श्री राजेश सिंह, सहायक निदेशक का शॉल/श्रीफल से सम्मानित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/राजभाषा/मासंवि)

केन्दीय अनुवाद ब्यूरो,कोलकता से आमंत्रित प्रशिक्षक श्री राकेश कुमार पाठक, सहायक निदेशक का शॉल/श्रीफल से सम्मानित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/राजभाषा/मासंवि)

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए
श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं/राजभाषा/मासंवि)

एमसीएल मुख्यालय में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के सौजन्य से दिनांक 30.01.2017 से 03.02.2017 तक पाँच-दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 30.01.2017 को श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में कुशल एवं अनुभवी संकाय सदस्य के रूप में श्री राकेश कुमार पाठक, सहायक निदेशक एवं श्री राजेश सिंह, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित थे।

उपरोक्त पाँच दिवसीय अनुवाद कार्यक्रम में एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों के कुल 16 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अनुवाद से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों यथा - (1) प्रक्रिया साहित्य का अनुवाद, (2) राजभाषा अधिनियम की धारा, 3 (3) के अंतर्गत अनुवाद किए जानेवाले दस्तावेजों के अनुवाद की प्रकृति पर चर्चा, हिंदी-अंग्रेजी वाक्य संरचना के अंतर, जटिल वाक्यों का अनुवाद, (4) सरकारी कार्यालयों/संस्थानों में अनुवाद सामग्री का व्यवहारिक पक्ष एवं अंग्रेजी पाठ का हिंदी अनुवाद, (5) वैज्ञानिक/तकनीकी/प्रशासनिक दस्तावेजों की सामग्री का व्यावहारिक पक्ष एवं हिंदी पाठ का अंग्रेजी अनुवाद। (6) कार्यालय साहित्य के अनुवाद की प्रकृति एवं प्रशासनिक शब्दावली पर चर्चा। इंटर्नेट पर उपलब्ध शब्दावली, अनुवाद साफ्टवेयर पैकेज इत्यादि के माध्यम से अनुवाद के साफ्टवेयर की जानकारी आदि बिन्दुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया।

श्री राकेश कुमार पाठक,सहायक निदेशक द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

श्री राजेश सिंह,सहायक निदेशक द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

दिनांक 03.02.2017 को महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशि. संस्थान/राजभाषा) की अध्यक्षता में कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि सभी प्रशिक्षार्थी अपने-अपने क्षेत्रों/विभागों में अपने अनुवाद कौशल का प्रयोग कर राजभाषा नीतियों का पूर्ण अनुपालन करना सुनिश्चित करें। सभी प्रशिक्षार्थियों को निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यरो, भारत सरकार की ओर से जारी प्रमाण-पत्र महाप्रबंधक महोदय के करकमलों से प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में श्री राकेश कुमार पाठक, सहायक निदेशक, श्री राजेश सिंह, सहायक निदेशक एवं डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा), एमसीएल मुख्यालय द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

प्रशिक्षित कर्मचारियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए
श्री बी. सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

प्रशिक्षित कर्मचारियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए
श्री बी. सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन दिवस को संबोधित करते हुए
श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

प्रशिक्षण से संबंधित वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए श्री राजेश सिंह,
सहायक निदेशक, केन्दीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली

वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए श्री राकेश कुमार पाठक,
सहायक निदेशक, केन्दीय अनुवाद ब्यूरो, कोलकाता

कार्यक्रम का दृष्य

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 30वीं बैठक : 23.06.2016

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 23.06.2016 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की वर्ष की प्रथम छमाही बैठक श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/राजभाषा), एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बतौर मुख्य अतिथि श्री अजय मलिक, उप-निदेशक (कार्यान्वयन), पूर्वी क्षेत्र, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग बैठक में उपस्थित हुए। इनके अलावा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण बैठक में उपस्थित थे।

बैठक के प्रारंभ में श्री त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा नीति को शत-प्रतिशत लागू करने की जिम्मेवारी मुख्य रूप से संबंधित कार्यालय प्रमुख की होती है अतः इस पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। आगे उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से तिमाही राजभाषा प्रगति रिपोर्ट भेजने हेतु अनुरोध किया।

उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अजय मलिक ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि राजभाषा नीति को सरकारी कार्यालयों में लागू करना हम सब की बाध्यता है इससे बच नहीं सकते। इसलिए केंद्रीय सरकार के सभी कार्यालय प्रमुख को इस ओर बिशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजभाषा हिंदी में कार्य करना, इसे बढ़ावा देना एक संवैधानिक प्रावधान होने के साथ-साथ महामहिम राष्ट्रपति द्वारा आदेशित है । अतः राजभाषा हिंदी से जुड़ी नीतियों का अनुपालन करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। हम सभी अगर स्वस्थ्य मानसिकता से राजभाषा हिंदी में कार्य करें तो हिंदी में कार्य करना बिलकुल सहज हो जाएगा। श्री मलिक ने आगे कहा कि धारा 3(3) का उल्लंघन करना गैर-कानूनी है । अतः किसी भी स्थिति में इसका शत-प्रतिशत अनुपालन करना ही है, इसमें किसी भी प्रकार की छूट नहीं है। उन्होंने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु विभिन्न प्रकार के हिंदी साफ्टवेयरों/वेबसाइटों की जानकारी दी।

श्री बी.आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिबीय/राजभाषा) द्वारा बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, भारतीय खाद्य निगम लिमिटेड एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने-अपने कार्यालयों में गत छमाही के दौरान किए गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन पावर प्वाइंट के माध्यम से किया गया।

बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय, मुख्य अतिथि एवं यूनियन बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक के कर-कमलों से नराकास, संबलपुर के सदस्य कार्यालयों में गत दिनों आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके पश्चात नराकास, संबलपुर की हिंदी गृह पत्रिका संबल प्रभा के चतुर्थ अंक का विमोचन भी किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

प्रथम छमाही बैठक में श्री अजय मलिक,उप निदेशक (कार्यान्वयन),पूर्व क्षेत्र,कोलकाता का स्वागत करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशसं./राजभाषा/मासंवि)/सदस्य सचिव ।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशसं./राजभाषा/मासंवि),एमसीएल ।

श्री अजय मलिक,उप निदेशक (कार्यान्वयन),पूर्व क्षेत्र,कोलकाता द्वारा बैठक को संबोधित करते हुए।

श्री अजय मलिक,उप निदेशक (कार्यान्वयन),पूर्व क्षेत्र,कोलकाता एवं श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशसं./राजभाषा/मासंवि) द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की गृह पत्रिका संबलप्रभा के चतुर्थ अंक का विमोचन करते हुए।

श्री अजय मलिक, उप निदेशक (कार्यान्वयन),पूर्व क्षेत्र,कोलकाता द्वारा अंतर कार्यालयीन राजभाषा प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

बैठक का दृष्य ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की 31वीं बैठक : 29.11.2016

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 29.11.2016 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की वर्ष की द्वितीय छमाही बैठक श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना), एमसीएल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वतौर आमंत्रित अतिथि डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग उपस्थित हुए। इनके अलावा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण बैठक में उपस्थित थे।

बैठक के प्रारंभ में श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि) एवं सदस्य सचिव, नराकास, संबलपुर ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रित अतिथि तथा उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि बैठक में हम संबलपुर नगर स्थित केंद्रीय सरकार के समस्त कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को बढ़ाने के बारे में अपने-अपने विचार रखेगें एवं भविष्य की कार्य योजनाओं पर वार्ता करेगें। केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा नीति को शत-प्रतिशत लागू कराने का दायित्व संबंधित कार्यालय प्रमुख का होता है अत: प्रयास यह रहे कि कार्यालय प्रमुख स्वयं बैठक में पधारें एवं दायित्वों के निर्वहन हेतु उपस्थित सदस्यों को भी प्रेरित करें।

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह राजभाषा की ही शक्ति है, जिसने समस्त कार्यालय प्रमुखों को राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने हेतु एक मंच पर एकत्रित किया है जो कि अनेकता में एकता का अनुपम उदाहरण है।

श्री बी.आर. साहू, कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) द्वारा बैठक के संचालन के साथ-साथ पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक में राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा ने सदस्य कार्यालयों में हो रहे कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए साथ ही जुलाई-नवम्बर, 2016 के प्रशिक्षण से जुड़े तथ्य प्रस्तुत किए।

बैठक में अध्यक्ष महोदय के करकमलों से वर्ष 2015-16 में सदस्य कार्यालयों में बेहतर राजभाषा कार्यान्वयन के करने वाले चयनित कार्यालयों क्रमश: सरकारी कार्यालय, उपक्रम एवं बैंक को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय "नराकास राजभाषा शील्ड" से सम्मानित किया गया। अंत में श्री बी.आर.साहू कलिहारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

द्वितीय छमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए
श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना),एमसीएल ।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री बी.सी. त्रिपाठी,
महाप्रबंधक (प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)/सदस्य सचिव, नराकास संबलपुर

बैठक को संबोधित करते हुए श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी
(योजना/परियोजना),एमसीएल।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,संबलपुर
द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए।

वर्ष 2015-16 के दौरान राजभाषा नीति के बेहतर कार्यान्वयन हेतु सदस्य कार्यालयों को प्रदत्त नराकास राजभाषा शील्ड

भारत सरकार के कार्यालय

प्रथम-पूर्वी तट रेलवे

द्वितीय - दूरदर्शन

तृतीय - आकाशवाणी

भारत सरकार के उपक्रम

प्रथम - एमसीएल

द्वितीय-भारतीय खाद्य निगम

तृतीय - बीईएमएल

बैंक

प्रथम - पंजाब नेशनल बैंक

द्वितीय - यूनियन बैंक आफ इंडिया

तृतीय - इंडियन ओवरसिस बैंक

विश्व हिंदी दिवस-सह-राजभाषा सेमिनार

श्री एल.एन. मिश्रा,निदेशक(कार्मिक) द्वारा
विश्व हिंदी दिवस-2017 के अवसर पर मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए

श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक(तकनीकी/योजना एवं परियोजना) द्वारा
मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए।

आमंत्रित अतिथि एवं स्थानीय साहित्यकार प्रोफेसर के पी गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी),
जीएम कॉलेज, संबलपुर द्वारा मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए

आमंत्रित अतिथि वक्ता डॉ. श्रीमती बी. रामालक्ष्मी, हिंदी प्राध्यापक,
झारसुगुड़ा महाविद्यालय द्वारा मंगलदीप प्रज्जवलित करते हुए

दिनांक 10.01.2017 को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा सेमिनार का आयोजिन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री एल.एन. मिश्रा, निदेशक (कार्मिक), एमसीएल ने की। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (परियोजना/योजना) श्री ओ.पी. सिंह, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इनके अलाबा प्रोफेसर के.पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जी.एम. कालेज, संबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, बतौर अतिथि वक्ता डॉ. वेदुला रामालक्ष्मी, विभागाध्यक्ष (हिंदी), महिला महाविद्यालय, झारसुगुड़ा एवं डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्रध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा मुख्यालय एवं क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय मुख्य नामित राजभाषा अधिकारीगण/ नामित राजभाषा अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

मंगलदीप प्रज्ज्वलन के साथ सेमिनार प्रांरभ हुआ। श्री बी.सी. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान / राजभाषा / मासंवि), एमसीएल द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं विश्व हिंदी दिवस एवं वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपना बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए।

अध्यक्ष महोदय ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में हिंदी की महत्ता एवं आज के दौर में इसकी प्रयोजनमूलकता पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि हिंदी किसी के सहारे की मोहताज नहीं है आज देश एवं विदेशों में लोग अपनी आवश्यकतावश इसे अपनाने को बाध्य हो रहे हैं। हमें अंग्रेजी या अन्य भाषा सीखनी चाहिए परंतु स्वयं एवं अपने बच्चों को भी अपनी भाषा एवं संस्कृति से अवश्य जोड़े रखना चाहिए।

वैश्वीकरण के दौर में हिंदी का विकास तीव्र गति से हो रहा है। जैसे-जैसे वैश्वीकरण बढ़ेगी हिंदी विश्व भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त करेगी। हिंदी भाषा के कारण विदेशों में भारतीयों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व है, जो स्वत: विकास के पथ पर अग्रसर है।

सेमिनार को संबोधित करते हुए श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मासंवि)

सम्मानित अतिथि श्री ओ.पी. सिंह, निदेशक (तकनीकी/योजना व परियोजना) ने राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के बढ़ते चरण को दृष्टिगत करते हुए कहा कि आजकल दक्षिण भारत में भी हिंदी का विकास बडी तेजी से हो रहा है। हिंदी मन के भावों को पूर्ण रूप से व्यक्त करनेवाली सर्वोत्तम भाषा है। हिंदी आज विश्व की दूसरी सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली एवं समझी जानेवाली भाषा है। अत: इसे विश्व भाषा के रूप में स्थापित करने हेतु हर भारतीय को अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी पर गर्व होनी चाहिए एवं इसे बेझिझक अपनाना चाहिए।

मुख्य वक्ता डॉ. रामालक्ष्मी ने कहा कि हिंदी, विश्व में बोले जाने वाली दूसरी सबसे बड़ी भाषा है फलस्वरूप हिंदी विश्व भाषा बनने जा रही है। हमारे देश में भी अनेक भाषा-भाषी लोग हैं फिर भी हिंदी देश के हर लोगों के लिए एकमात्र संपर्क की भाषा है। उन्होंने विदेशों का उदाहरण देते हुए इस बात की पुष्टि की कि अमेरिका की तरह भारत में भी विभिन्न भाषाओं के रहते हुए भी हम राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का सहारा लेने को बाध्य हैं। हिंदी भाषा रोजगारमूलक है अत: हमें हिंदी भाषा की शिक्षा अवश्य लेनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रो. गुप्ता द्वारा रचित पुस्तक "सीधी कविताएं" का विमोचन अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. गुप्ता ने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के तहत विदेशी रचनाकार मैक्समूलर का जिक्र किया। आगे उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा राष्ट्र है जहाँ भाषा का दिवस मनाया जाता है। ऐसे आयोजनों से राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहयोग मिलेगा। हम सभी को हिंदी की अहमियत को समझना चाहिए तभी तो इसे विश्व भाषा बनाने का हमारा दावा और अधिक मजबूत होगा। अंत में उन्होंने स्वरचित हिंदी रुवाइयां भी प्रस्तुत की।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ने भी हिंदी को विभिन्न क्षेत्रों की भाषा के रूप में तथा भावी संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनने के गुणों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय के करकमलों से एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय के विभागों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए एमसीएल राजभाषा कार्यान्वययन पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन श्री मुक्तेश्वर सोनकुसरे, अनुवादक ने किया एवं श्री बी. आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक (सचिवीय/राजभाषा) ने आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्र आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

सेमिनार को संबोधित करते हुए श्री एल.एन.मिश्रा, निदेशक (कार्मिक)

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना)

आमंत्रित अतिथि एवं स्थानीय साहित्यकार प्रोफेसर के.पी.गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जीएम कॉलेज, संबलपुर द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आमंत्रित अतिथि वक्ता डॉ. श्रीमती बी. रामालक्ष्मी, हिंदी प्राध्यापक, झारसुगुड़ा महाविद्यालय द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए।

विश्व हिंदी दिवस-2017 का एक दृष्य ।

ईब वैली क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा सम्पन्न

दिनांक 14 सितंवर से 28 सितम्बर तक ईब वैली क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया इस दौरान राजभाषा से संबंधित अनेक प्रतियोगिताएँ जैसे हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण आलेखन, क्वीज, टंकण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ अधिकारी एवं कर्मचारीयों के लिए आयोजित की गई। इस वर्ष भी विभागाध्यक्षों के लिए हिंदी ज्ञान/टिप्पण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें श्री ए.के. झा, विभागाध्यक्ष (सिविल), श्री ए.के. पारिजा, (क्षेत्रीय कार्मिक प्रबन्धक), तथा विवेक कुमार विभागाध्यक्ष (विक्रय) ने क्रमशः, प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 01 अक्टूबर को महाप्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन महाप्रबंधक, ईब वैली क्षेत्र श्री एस.के. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। श्रीमती शिखा चटर्जी, वरिष्ठ अधिकारी (कार्मिक) ने पखवाड़े का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्रम संघ प्रतिनिधि श्री बृजेश शर्मा, ओसीएमसी ने राष्ट्रभाषा हिंदी के संबंध में अपने गहन विचार रखे। श्री प्रकाश राय, बीसीएमडब्लूयू ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के बारे में अपना वक्तव्य दिया। श्री अर्जुन नाएक, एचएमएस श्रमिक संघ प्रतिनिधि ने क्षेत्रीय भाषा और राजभाषा हिंदी के बारे में अपने विचारों से अवगत कराया। श्री अकालू राम, सिस्टा प्रतिनिधि ने राष्ट्रभाषा के संबंध में अपने विचार रखे। श्री ए.के. परिजा, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, ईब वैली क्षेत्र ने राजभाषा संबंधी अपने उद्गार व्यक्त किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा की दैनंदिन बढ़ती महत्ता को प्रतिपादित करते हुए हिंदी में कामकाज बढ़ाने की अपील की। तत्पश्चात विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

राजभाषा के प्रति श्री एस.के. श्रीवास्तव, महाप्रबंधक के विशेष लगाव व सभी के सामूहिक प्रयासों से पूरा कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में ईब वैली क्षेत्र के विभागाध्यक्षगण, अधिकारीगण, के साथ-साथ अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण काफी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिखा चटर्जी, वरिष्ठ अधिकारी (कार्मिक) ईब वैली क्षेत्र ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री अशोक कुमार पंडा वरी. अधिकारी (कार्मिक) ने किया।

ओरियंट क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा

ओरियंट क्षेत्र में दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 तक धूमधाम से राजभाषा पखवाड़ा- मनाया गया। इस दौरान निबंध आलोखन, टिप्पण आलेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी टंकण प्रतियोगिता और गृहणियों के निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कुल 157 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण दिनांक 28.09.2016 को स्टाफ क्लब में श्री आर.जे. चौधरी, महाप्रबंधक के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें सभी अधिकारी/कर्मचारी गण एवं श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। श्री चौधरी न हिंदी को कार्यक्षेत्र में लाने के लिए अधिक से अधिक से अधिक हिंदी में कार्य करने की अपील की। विजेता प्रतिभागियों को महाप्रबंधक महोदय के करकमलों से पुरस्कृत किया गया।

लखनपुर क्षेत्र राजभाषा पखवाड़ा

एमसीएल लखनपुर क्षेत्र में दिनांक 14 से 28 सितंबर 2016 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया जिसमें कार्यरत हिन्दी भाषी एवं हिंदीतर भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए चार ग्रुप में निबंध, टिप्पण आलेखन, वाद-विवाद तथा दो गृप में टंकण एवं गृहणियों के लिये क्वीज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 144 प्रतियोगी ने भाग लिया। 92 विजेता प्रतिभागियों को दिनांक 31 अक्तूबर 2016 की शाम त्रिवेणी क्लब में पुरस्कृत किया गया। महाप्रबंधक लखनपुर क्षेत्र तथा क्षेत्र के श्रमिक संगठन के प्रतिनिधि एवं एससी/एसटी संगठन के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी की उपस्थिती में पखवाड़ा का समापन, पुरस्कार वितरण के साथ धूमधाम से सम्पन्न किया गया।

बसुंधरा क्षेत्र राजभाषा पखवाड़ा

दिनांक 15.09.2016 को मेघदूत सभागार में क्षेत्रीय मुख्यालय, बसुंधरा क्षेत्र में श्री नीरज कल्ला, महाप्रबंधक, बसुंधरा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं श्रम संघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजभाषा पखवाड़ा,2016 का उद्घाटन समारोह का हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में हिन्दी के अधिक से अधिक प्रयोग पर जोर दिया।

दिनांक 15.09.2016 से दिनांक 29.09.2016 तक हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिताएं का आयोजन किया गया । दिनांक 30.09.2016 को मेघदूत सभागार के श्रीमान महमूद मियां उप महाप्रबंधक (खनन), बसुंधरा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य में एवं अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, श्रमिक प्रतिनिधियों के उपस्थिती में राजभाषा पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

केन्द्रीय कर्मशाला ईब वैली में राजभाषा पखवाड़ा

केन्द्रीय कर्मशाला, ईब वैली में राजभाषा पखवाड़ा, 2016 का आयोजन दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 तक किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं - हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग में हिंदी भाषा के प्रति रूझान जागृत करना था। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिंदी एवं हिंदीतर भाषियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया तथा पुरस्कार हासिल किए।

पखवाड़ा का समापन-सह-पुरस्कार का वितरण समारोह दिनांक 30.09.2016 को महाप्रबंधक श्री सूर्यकांत ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का विकास करना तथा अधीकारी एवं कर्मचारी वर्ग में हिंदी भाषा के प्रति रूझान जागृत करना है। सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि हार या जीत जीवन का ही एक अंश, आपका प्रयास सराहनीय है। तत्पश्चात महाप्रबंधक श्री सूर्यकांत ठाकुर ने अपने करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किए। समस्त विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित श्रम संघ प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन श्री भारत भूषण ढ़ाकरिया, नामित राजभाषा अधिकारी ने किया।

तालचेर क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा

दिनांक 15.09.2016 को महाप्रबंधक तालचेर क्षेत्र के सभागार में राजभाषा पखवाड़ा, 2016 का उद्घाटन श्री अनूप कुमार नंदी, महाप्रबंधक, तालचेर क्षेत्र के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर तालचेर क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्ष ने भाग लिया। श्री नंदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम अपना समस्त सरकारी कामकाज हिंदी में करने का संकल्प लें।

राजभाषा पखवाड़ा, 2016 का समापन समारोह दिनांक 04.10.2016 को तालचेर क्षेत्र के आफिसर्स क्लब में किया गया। जिसमें श्री अनूप कुमार नंदी, महाप्रबंधक, तालचेर क्षेत्र, मुख्य अतिथि डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, तालचेर क्षेत्र सभी विभागाध्यक्ष, तीनों श्रमिक संघ के प्रतिनिधि गण, प्रेस मिडिया के प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों ने भी भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस समारोह को बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। महाप्रबंधक, तालचेर क्षेत्र, श्रमिक संघों के प्रतिनिधि गण, मुख्य राजभाषा अधीकारी श्री एस.एन.गोहकर एवं नामित राजभाषा अधिकारी श्री अजय हेलाजी ने कार्यलयीन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग एवं विशेष कर धारा 3 (3) का शत प्रतिशत अनुपालन करने की संवैधानिक आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में अपनी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने के लिए मार्गदर्शन दिए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं पारितोषिक वितरण मंचासीन अतिथियों द्वारा दिया गया। अंत में नामित राजभाषा अधिकारी श्री अजय हेलाजी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह समाप्त हुआ।

हिंगुला क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा

हिंगुला क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा, 2016 का उद्घाटन दिनांक 15.09.2016 को क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री के.सी.खुंटिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस समारोह में सभी विभागाध्यक्ष एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। पखवाड़ा के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, टिप्पणी आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज एवं हिंदी स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में हिंदीतर एवं हिंदी भाषी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

दिनांक 28.09.2016 को राजभाषा पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह उप महाप्रबंधक, हिंगुला क्षेत्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रम संघ प्रतिनिधि गण सम्मिलित हुए। अध्यक्ष महोदय के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को एवं गृहणियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

लिंगराज क्षेत्र में राजभाषा-पखवाड़ा

प्रत्येक वर्ष की भांति भी इस वर्ष भी लिंगराज क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा-2016 धूमधाम से मनाया गया। मुख्यालय द्वारा निर्धारित तिथियाँ पर राजभाषा संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताऔं जैसे हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए हिंदी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 01.10.2016 को मंगलम क्लब में राजभाषा पखवाड़ा-2016 का समापन समारोह मनाया गया, जिसमें पार्श्ववर्ती औद्योगिक संस्थानों जैसे एनटीपीसी, नालको, हेवी वाटर के हिन्दी के विद्वानों ने एवं श्रमिक संघों के प्रतिनिधीयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया।

जगन्नाथ क्षेत्र में राजभाषा-पखवाड़ा

जगन्नाथ क्षेत्र में दिनांक 14.09.2016 से 29.09.2016 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद, हिंदी टंकण एवं गृहणियों के लिए लघु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त डी.ए.वी. (ओड़िया माध्यम) अनंता के प्रधानाध्यापिका एवं विद्यार्थियों के मध्य हिन्दी निबंध प्रतियोगित का आयोजन किया गया, जिसमें काफी बच्चों ने भाग लिया तथा सभी कक्षाओं को मिलाकर कुल 17 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्यालय के निर्देशानुसार निबंध, टिप्पणी-आलेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता चार ग्रुप में कराया गया। गृहणियों के लिए प्रतियोगिता एक ही ग्रुप में रखी गई। लघु प्रश्नोत्तरी में प्रश्न ओड़िशा राज्य से संबंधित रखे गए थे। ओड़िशा से संबंधित विभिन्न ऐतिहासिक स्थल, सांस्कृतिक महत्व, पर्यटन स्थल, वन-उपवन नदियां पहाड़ एवं विभिन्न खान एवं खनिज से संबन्धित प्रश्न पुछे गए थे। सभी अधिकारी एवं कर्मचारीवर्ग ने इसमें पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। दूसरी ओर गृहणियों ने भी बढ़चढ़ के क्विज में भाग लिया। दिनांक 31.10.2016 को पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह का आयोजन महाप्रबंधक कार्यालय में किया गया। उप महाप्रबंधक के कर कमलों द्वारा विजेता उम्मीदवारों को पुरस्कृत किया गया तथा महाप्रबंधक श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता द्वारा जारी प्रमाण-पत्र सभी विजेताओं को प्रदान किए गया।

उक्त कार्यक्रम का संचालन श्री शिशिर कुमार साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक), श्री अंजन कुमार सिन्हा, उप प्रबन्धक (सचिवीय/रा.भा.) सुश्री आशा ज्योति, सहायक प्रबंधक (कार्मिक/ औ. सं.) एवं श्रीमती सुजाता प्रधान, अनुवादक द्वारा किया गया।

केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर में राजभाषा पखवाड़ा

केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर में दिनांक 14.09.2016 से राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया है। इस तारतम्य में दिनांक 14.09.2016 को पूर्वान्ह 11:30 बजे केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर के नये सभागार में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ हुआ। केन्द्रीय कर्मशाला, तालचेर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण एवं गृहणियों द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जोर शौर से भाग लिए। राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 14.09.2016 से 29.09.2016 तक किया गया एवं भाग लेने वाले समस्त विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा के सफल आयोजन का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिन्दी को प्रचलित एवं प्रचार-प्रसार करना है जिसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण एवं गृहणियों का पूर्ण सहयोग रहा।

कनिहा क्षेत्र में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

कनिहा क्षेत्र में दिनांक 14.09.2016 से 28.09.2016 तक राजभाषा पखवाड़ा 2016 का आयोजन किया गया। दिनांक 15.09.2016 का औपचारिक उद्घाटन किया गया। 23.09.2016 से 26.09.2016 तक सभी प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक सम्पन्न हो गया। दिनांक 03.10.2016 श्री मांगीलाल प्रजापत, महाप्रबंधक, कनिहा क्षेत्र के मुख्य आतिथ्य में सभी वरिष्ठ अधिकारियों/कर्मचारियों तथा श्रम संघ प्रतिनिधीयों तथा अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह काव्य पाठ के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी प्रेमी तालचेर के अधिवक्ता श्री मो. इक बाल साहव, नवभारत हिंदी समाचार पत्र के संवाद्दाता श्रीमती सुशुश्री पात्र एवं श्री पात्र उपस्थित थे। इन विशिष्ट अतिथियों ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। वर्ष के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी वर्ग श्री राकेश कुमार एम. क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी, कनिहा क्षेत्र एवं कर्मचारी वर्ग से श्रीमती रेवती साहू को महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा अन्य चार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी हिंदी में उनके विशेष योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

नेहरु शताब्दि केन्द्रीय चिकित्सालय, तालचेर में राजभाषा पखवाड़ा

नेहरु शताब्दि केन्द्रीय चिकित्सालय, तालचेर दिनांक 14 सितंबर से 28 सितंबर 2016 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गय। पखवाड़ा का उद्घाटन दिनांक 15.09.2016 को किया गया। इस दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता, टंकण प्रतियोगिता, गृहणियों के लिए क्वीज प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 26.10.2016 को राजभाषा पखवाड़ा 2016 को प्रमुख, चिकित्सा सेवा एवं अन्य अथितियों के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। पूरा कार्यक्रम सौहद्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार

क्षेत्रों एवं विभागों को वर्ष 2015-16 का राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार प्रदान करते हुए
श्री एल.एन.मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) एवं श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजन एवं योजना)

राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ का विमोचन

एम.सी.एल में राजभाषा कार्यान्वयन की झलकियाँ के चतुर्थ अंक का विमोचन करते हुए श्री ए.के.झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री के.के.परिडा, पूर्व निदेशक (वित्त), श्री मुनव्वर खुर्शीद, भा.रे.सु.ब, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री ओ.पी.सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजन एवं योजना)एवं श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्र.प्रशि.सं./राजभाषा/मा.सं.वि.)

हिंदी हमारी पहचान है ।